जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:185 दिनांक:10-11-2024 रविवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

महाराष्ट्र के नांदेड़ में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हरियाणा चुनाव में भाजपा को इतिहास में सबसे ज्यादा वोट मिले। अब महाराष्ट्र की जनता भी इतिहास दोहराने जा रही है।

6 नवंबर, 2024 को मुंबई में एक चुनावी बैठक के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, ''कांग्रेस हमारी नकल कर रही है क्योंकि वे हमसे डरते हैं। उनके पास देने के लिए कुछ भी नया नहीं है।

'दलित-आदिवासी एकता के कारण समर्थन आधार खो रही कांग्रेस', नांदेड़ में गरजे पीएम मोदी

नांदेड़ (महाराष्ट्र) : महाराष्ट्र के नांदेड़ में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हरियाणा चुनाव में भाजपा को इतिहास में सबसे ज्यादा वोट मिले। अब महाराष्ट्र की जनता भी इतिहास दोहराने जा रही है।

महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री ने शनिवार को नांदेड़ में चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, आज पूरे महाराष्ट्र में महायुति और भाजपा के पक्ष में लहर है। आज देश विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है और देश की जनता जानती है कि भाजपा और उसके सहयोगी दल इसके लिए गंभीरता से काम कर रहे हैं। यही वजह है कि जनता बार-बार भाजपा और राजग (एनडीए) सरकार को चुन रही है।

'विकसित महाराष्ट्र के लिए महायुति सरकार चाहिए'

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, आज मैं डबल डयूटी कर रहा है। सबसे पहले मैं मोदी के लिए मदद मांग रहा हूं और दूसरा महाराष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए। हरियाणा चुनाव में भाजपा को इतिहास में सबसे ज्यादा वोट मिले। अब महाराष्ट्र की जनता भी इतिहास दोहराने जा रही है। उन्होंने कहा, पिछले दो दिनों में मैं महाराष्ट्र में जहां भी गया, सभी के मन में यही बात थी कि लोकसभा में जो कमी थी, इस बार विधानसभा में उसे मजबूती से पूरा करना है। लोग कह रहे हैं कि विकसित महाराष्ट्र के लिए महायुति सरकार चाहिए। महाराष्ट्र ने लंबे समय तक कांग्रेस और उसके पापों का प्रकोप झेला है।

'दलित-आदिवासी एकता से समर्थन आधार खो रही कांग्रेस'

मोदी ने आगे कहा, दलितों और आदिवासियों की एकता के कारण कांग्रेस पिछले कुछ वर्षों से अपना समर्थन आधार खोती जा रही है। कांग्रेस के लोग 'भारत का संविधान' शीर्षक वाली एक लाल किताब दिखा रहे हैं, जिसके अंदर खाली पन्ने हैं। यह बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रति कांग्रेस की उपेक्षा और नफरत का प्रमाण है। 'कांग्रेस के लोगों को अनुच्छेद 370 से इतना प्यार क्यों?' कश्मीर में अनुच्छेद 370 को बहाल करने की विपक्षी पार्टी की मांग का जिक्र करते हुए मोदी ने पूछा, कांग्रेस के लोगों को अनुच्छेद 370 से इतना प्यार क्यों है? कांग्रेस के इस मूर्खतापूर्ण और दुर्भाग्यपूर्ण सियासी खेल से पूरा देश सदमे में है।

उन्होंने आगे कहा, आज महाराष्ट्र में भाजपा और महायुति के समर्थन में लहर है। आज हर किसी की जुबान पर एक ही नारा है- भाजपा-महायुति आहे, तार गति आहे। महाराष्ट्राची प्रगति आहे (केवल भाजपा-महायुति ही महाराष्ट्र की तेज प्रगति सुनिश्चित करेगी)। पीएम मोदी ने कहा, आज देश विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है और देश की जनता जानती है कि केवल भाजपा और उसके सहयोगी ही इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए गंभीरता से काम कर रहे हैं। यही कार है कि देश की जनता बार-बार भाजपा और एनडीए सरकार को चुन रही है। जनता बार-बार भाजपा और राजग (एनडीए) सरकार को चुन रही है।

क्या प्रमोद महाजन की हत्या एक बड़ी साजिश है? पूनम महाजन के आरोप से मचा हड़कंप

- महाजन की हत्या किसने की? हत्या की जांच के लिए गृह मंत्री को पत्र

मुंबई, (ईएमएस)। अब 18 साल बाद देश के सबसे बड़े हाई-प्रोफाइल मर्डर केस में बड़ा मोड़ आया है। करीब दो दशक बाद दिवंगत बीजेपी नेता प्रमोद महाजन की हत्या का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। वजह है प्रमोद महाजन की बेटी और पूर्व बीजेपी सांसद पूनम महाजन का गंभीर आरोप। जी हाँ, विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी की पूर्व सांसद पूनम महाजन ने गंभीर आरोप लगाकर हड़कंप मचा दिया है। पूनम महाजन ने खुलासा किया है कि दिवंगत बीजेपी नेता प्रमोद महाजन की हत्या एक बड़ी साजिश थी जो कभी न कभी सामने आएगी। प्रमोद महाजन की हत्या के करीब दो दशक बाद पूनम महाजन ने यह आरोप लगाया है और कहा है कि इसकी जांच के लिए राज्य और केंद्रीय गृह मंत्री को पत्र लिखकर हत्या की जांच की मांग करेंगी। आपको बता दें कि 3 मई 2006 में प्रमोद महाजन के सगे भाई प्रवीण महाजन ने मुंबई में प्रवीण महाजन के आवास पर सुबह के वक्त तीन गोलियां मारकर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद उसने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। लेकिन पूनम महाजन ने कहा है कि गोली किसी आदमी का गुस्सा और ईर्ष्या नहीं बल्कि इसके पीछे एक बड़ी साजिश थी।

27 साल पुराना युद्धविराम तोड़ सकता है एनएससीएन-आईएम

उग्रवादी संगठन ने दी केंद्र सरकार को चेतावनी

नई दिल्ली (ईएमएस)। 2015 के फ्रेमवर्क एग्रीमेंट पर बातचीत में तीसरे पक्ष को शामिल नहीं किया गया, तो वे 27 साल पुराना युद्धविराम तोड़ देंगे। यह बात शनिवार को नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड (एनएससीएन-आईएम) ने केंद्र सरकार को चेतावनी देते हुए कही। यह चेतावनी एनएससीएन-आईएम के महासचिव टी मुइवा ने दी है। उन्होंने कहा कि एनएससीएन-आईएम पूर्वोत्तर भारत में सबसे लंबे समय से चले आ रहे उग्रवाद को समाप्त करने के लिए यह मांग कर रहा है। दिल्ली में 7 और 8 अक्टूबर को हुई बातचीत के बाद मुइवा ने यह बयान जारी किया। बातचीत का मुख्य मुद्दा 9 साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में हुए फ्रेमवर्क एग्रीमेंट का सरकार की ओर से कथित तौर पर उल्लंघन था। मुइवा ने कहा कि एक सम्मानजनक राजनीतिक समझौते पर पहुंचने के लिए हम भारत सरकार की ओर से 3 अगस्त 2015 के फ्रेमवर्क एग्रीमेंट किए थे। हालांकि केंद्र ऐतिहासिक समझौते के कुछ प्रावधानों का सम्मान करने से इनकार कर रहा। इस विश्वासघात के खिलाफ शांति प्रक्रिया बाधित होगी। हम एग्रीमेंट की शर्तों को शांतिपूर्ण तरीके से अपनाने से इनकार करते हैं। मुइवा ही 2016 में इसाक चिशी स्वू की मौत तक एनएससीएन-आईएम का नेतृत्व कर रहे थे। मुइवा ने आगे कहा कि हम इस एग्रीमेंट में हुए विश्वासघात को सुलझाने के लिए तीसरे पक्ष की मध्यस्थता का प्रस्ताव रखते हैं, लेकिन अगर भारत सरकार ने इस राजनीतिक पहल को अस्वीकार कर दिया, तो एनएससीएन-आईएम अनूठे इतिहास और उसके संप्रभु अस्तित्व की रक्षा के लिए भारत के खिलाफ फिर से सशस्त्र प्रतिरोध शुरू कर देगा। 1997 में शुरू हुआ यह संवाद एनएससीएन-आईएम की अलग झंडे और संविधान की मांग पर अटका हुआ है। बता दें कि एनएससीएन-आईएम नेतृत्व और पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के बीच 1995 में एक बातचीत हुई थी। पेरिस में हुई शुरुआती बातचीत के बाद एक अगस्त 1997 को युद्धविराम समझौता हुआ था।

संगठन नागालिम एक अलग नागा मातृभूमि की मांग कर रहा है जिसमें पूर्वोत्तर के सभी आदिवासी बहुल इलाके शामिल होंगे। इनमें असम, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्से भी शामिल हैं। मुइवा ही संगठन के प्रमुख राजनीतिक वार्ताकार हैं। उन्होंने कहा कि अगर इस क्षेत्र में फिर से हिंसा होती है, तो इसके लिए भारत सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। मुइवा ने कहा कि अगर केंद्र सरकार दशकों पुराने इस विवाद को खत्म करना चाहती है, तो उसे नागालिम के संप्रभु राष्ट्रीय ध्वज और संविधान का सम्मान करना चाहिए जैसा कि फ्रेमवर्क एग्रीमेंट में उल्लेख किया गया है।

पेंशनधारकों के लिए खबर.....देश के किसी भी बैंक की शाखा से निकाल सकते हैं पेंशन

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के लाखों पेंशनधारकों के लिए बड़ी खबर आ रही है। केंद्र की मोदी सरकार ने अब ऐसी व्यवस्था कर दी है कि देश के किसी भी बैंक की शाखा से पेंशन निकाली जा सकेगी। इसके अलावा अब बैंक जाकर सत्यापन कराने की भी जरूरत नहीं होगी। श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के तहत नई केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) के प्रायोगिक परीक्षण के सफल समापन की घोषणा की। श्रम मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि सीपीपीएस मौजूदा पेंशन संवितरण प्रणाली से एक आदर्श बदलाव है जो विकेंद्रीकृत है, जिसमें ईपीएफओ का प्रत्येक जोनल/क्षेत्रीय कार्यालय केवल 3-4 बैंकों के साथ अलग-अलग समझौते करता है। सीपीपीएस में, पेंशन शुरू होने के वक्त पेंशनभोगियों को किसी भी सत्यापन के लिए बैंक जाने की जरूरत नहीं होगी और पेंशन जारी होने पर तुरंत जमा होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रायौगिक परीक्षण 29-30 अक्टूबर को पूरा हुआ और जम्मू, श्रीनगर और करनाल क्षेत्रों के 49,000 से अधिक ईपीएस पेंशनभोगियों को अक्टूबर, 2024 के लिए करीब 11 करोड़ रुपये का पेंशन वितरण हुआ। इसके पहले, नई सीपीपीएस प्रणाली की घोषणा के दौरान मांडविया ने कहा था, 'सीपीपीएस, ईपीएमओ के आधुनिकीकरण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

केंद्रीय मंत्री मांडविया ने कहा, पेंशनभोगियों को देश में कहीं भी किसी भी बैंक, किसी भी शाखा से अपनी पेंशन प्राप्त करने में सक्षम बनाकर, यह पहल पेंशनभोगियों के सामने लंबे समय से आ रही चुनौतियों का समाधान है। ईपीएफओ को अपने सदस्यों और पेंशनभोगियों की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए एक अधिक मजबूत और तकनीक-सक्षम संगठन में बदलने के हमारे प्रयासों में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

40 कुंआरी लड़कियों को आए गर्भवती महिलाओं के संदेश.....गांव में मच गया हड़कंप

वाराणसी (ईएमएस)। वाराणसी के रमना गांव से जुड़ी चौंकाने वाली घटना सामने आई है, इसमें 40 कुंआरी लड़कियों को दिवाली के दौरान गर्भवती महिलाओं के संदेश मिले। मामले के तूल पकड़ने के बाद वाराणसी के सीडीओ हिमांशु नागपाल ने इस मानवीय चूक बताकर डीपीआरओ को मामले की जांच सौंप दी है। साथ ही, सीडीओ ने पुष्टि की कि कुंआरी लड़कियों का डाटा पोर्टल से डिलीट कर दिया गया है।

घटना के बारे में सीडीओ नागपाल ने बताया कि रमना गांव से शिकायत आई थी कि 40 कुंआरी लड़कियों का नाम गर्भवती महिलाओं के पोर्टल पर गलत तरीके से पंजीकृत हो गया, जिसके बाद उन्हें बाल विकास मंत्रालय से एक संदेश मिला। इस संदेश में गर्भवती होने की जानकारी थी, इस संदेश के बाद हड़कंप मच गया।

सीडीओ ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री ने गर्भवती महिलाओं और उनके बच्चों के लिए पुष्टाहार वितरण की प्रक्रिया के तहत इन लड़कियों के नाम पोर्टल पर दर्ज कराए थे। इसके साथ ही, बताया गया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री बीएलओ (बूट लिस्ट ऑपरेटर) भी थीं और वर्तमान में समरी रिवीजन का काम कर रही थीं। तभी उन्होंने घर-घर जाकर 18 साल से अधिक आयु के युवाओं का आधार डेटा इकठ्ठा किया और उन्हें वोटर लिस्ट में शामिल करने के लिए फॉर्म भरे। इस दौरान कुछ गर्भवती महिलाओं के पोर्टल और वोटर लिस्ट के नाम एक जैसे मिले, जिससे यह समस्या पैदा हुई।

सीडीओ ने बताया जांच में साफ हुआ हैं कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री ने इन लड़कियों को पुष्टाहार नहीं बांटा था, फिर भी डीपीआरओ से जांच करवाई जा रही है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर उचित कार्रवाई होगी। यह मामला प्रशासन द्वारा एक गलती मानी गई, और संबंधित डाटा को डिलीट कर दिया गया है।

हावड़ा में ट्रेन के 3 डिब्बे पटरी से उतरे

कोलकाता(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के हावड़ा में ट्रेन हादसा हो गया। सिंकदराबाद-शालीमार एक्सप्रेस के 3 डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। हालांकि, इस घटना में किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। रेलवे के मुताबिक, हादसा शनिवार सुबह करीब 5.30 बजे कोलकाता से 40 किलोमीटर दूर नालपुर में हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 22850 सिकंदराबाद शालीमार एक्सप्रेस हफ्ते में एक दिन चलती है। ट्रेन जब खडग़पुर डिवीजन के नालपुर स्टेशन से गुजर रही थी, तभी डिब्बे पटरी से उतर गए। इसमें एक डिब्बा पार्सल वैन का है और दो पैसेंजर कोच हैं। हादसे के करीब पांच घंटे बाद मेन लाइन को रिस्टोर भी कर दिया गया है।

लुधियाना में डेंगू के मामलों में बढ़ोत्तरी, मरीजों की संख्या 300 के पार

लुधियाना (ईएमएस)। पंजाब के लुधियाना में डेंगू के मामलों में बढ़ोत्तरी हो रही है। नवंबर माह में सर्दी न पड़ने के कारण डेंगू फैलाने वाले एडीज एजिप्टी मच्छरों की सक्रियता बढ़ गई है, इससे रोगियों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। अब तक डेंगू के कुल मरीजों की संख्या 300 के पार पहुंच चुकी है। सिर्फ अक्टूबर महीने में 176 से अधिक नए केस सामने आए थे।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, अक्टूबर और नवंबर महीने में डेंगू के मरीजों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि दिसंबर में तापमान के गिरने के बाद ही डेंगू के मामलों में कमी आ सकती है, जब रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे और दिन का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

हालांकि, पिछले साल नवंबर के पहले सप्ताह में डेंगू के मरीजों की संख्या 750 को पार कर गई थी, लेकिन इस बार यह आंकड़ा कम है। जिससे प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने राहत की सांस ली है। विशेषज्ञों के अनुसार, डेंगू के मच्छर मुख्य रूप से सुबह और शाम के समय सक्रिय रहते हैं। इसलिए लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, जैसे कि इसतरह के कपड़े पहनना जो पूरे शरीर को ढकते हों, मच्छरदानी का उपयोग करना, और रात के समय खुले स्थानों पर जाने से बचना। बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को विशेष रूप से सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि उनकी इम्युनिटी कमजोर होती है।

अजमेर में 12वीं कक्षा की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म

अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल कर जेवरात व नगदी हड़पी

अजमेर (ईएमएस)। अजमेर में 12वीं कक्षा की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता ने एक युवक पर अश्लील फोटो-वीडियो से ब्लैकमेल कर रेप करने और 14 तोला सोना सहित 45 हजार रुपए नगदी हड़पने का आरोप लगाया है। पीड़िता के पिता ने मामले की शिकायत रूपनगढ़ थाने में की है। पुलिस ने गैंगरेप सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रूपनगढ़ थाना पुलिस के अनुसार, पीड़ित पिता ने शिकायत देकर बताया की बेटी एडमिट कार्ड लेने के लिए स्कूल गई थी। स्कूल से निकलने पर उसे एक युवक मिला जो घर छोड़ने की बात कहकर अपने साथ मोटरसाइकिल पर ले गया। बाद में पेट्रोल भरवाने का बहाना बनाकर एक होटल पर ले गया, जहां उसका एक अन्य साथी मौजूद था। होटल के कमरे में बेटी के साथ रेप किया। साथ ही उसके अश्लील फोटो-वीडियो भी ले लिए। आरोपी ने अश्लील वीडियो वायरल करने और उसे जान से मारने की धमकी देकर कई बार रेप किया। उसे ब्लैकमेल कर करीब 14 तोला सोना और 45 हजार रुपए नगदी हड़प ली। बाद में आरोपी द्वारा शादी के लिए दबाव बनाया गया। पिता ने पुलिस को बताया कि दीपावली पर गहने पहनने के लिए उसकी पत्नी ने आलमारी खोली तो उसमें से नगदी और गहने गायब मिले। इसके बाद बेटी ने घटना के बारे में मां को बताया। पिता की शिकायत पर पुलिस ने महिला सहित 4 जनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

उदयपुर में विदेशी महिला को गोली मरने का सनसनीखेज मामला

उदयपुर (ईएमएस)। उदयपुर में एक विदेशी महिला को गोली मरने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। 24 साल की थाई निवासी, मिस थाई थेम चुक, को कुछ युवकों ने अस्पताल में घायल अवस्था में छोड़कर फरार हो गए थे। युवती के शरीर में गोली फंसी हुई थी और वह नशे में थी, इससे महिला की हालत गंभीर हो गई थी। पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह 6 बजे हॉस्पिटल से सूचना मिली थी कि एक विदेशी महिला को गोली लगने से घायल अवस्था में लाया गया है। महिला के बांये हाथ के नीचे गोली लगी थी। पुलिस ने बताया कि महिला के शरीर में गोली फंसी हुई थी और डॉक्टर उसका इलाज कर रहे थे।

पुलिस के मुताबिक, युवती अपने दोस्त के साथ होटल वीर पैलेस में ठहरी हुई थी। तभी डेढ़ बजे के करीब, वह किसी अन्य दोस्त के साथ बाहर जाने का कहकर होटल से निकल गई थी। सुबह 4 से 4:30 बजे के बीच, कुछ अज्ञात लड़कों ने थाई महिला को घायल अवस्था में अस्पताल में छोड़ दिया। युवती ने पूछताछ में सहयोग नहीं किया क्योंकि वह नशे में थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। घायल महिला के मोबाइल की भी जांच की जा रही है, जबकि उसके दोस्त से भी पूछताछ की जाएगी। पुलिस इस वारदात के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए हर पहलू की जांच कर रही है।

जगदगुरु रामभद्राचार्य ने पीओके को लेकर क्या कह दिया.....पाकिस्तान को लगी मिर्ची

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में इन दिनों श्रीराम कथा का आयोजन हो रहा है, इसमें रामानंद संप्रदाय के जगदगुरु रामभद्राचार्य कथा का वाचन कर रहे हैं। रामभद्राचार्य, जो देश के चार प्रमुख जगदगुरुओं में से एक हैं और पिछले 50 वर्षों से श्रीराम कथाओं का वाचन कर रहे हैं, ने अपने बयान से विवाद खड़ कर दिया है।

कथा के दूसरे दिन रामभद्राचार्य ने जम्मू और कश्मीर के बड़े हिस्से पर पाकिस्तान के कब्जे का जिक्र कर कहा कि वह इस जमीन को पाकिस्तान से मुक्त कराने के लिए हनुमान जी को सवा करोड़ आहुतियां दूंगा। उन्होंने जयपुर के लोगों से भी महायज्ञ में हिस्सा लेने का आह्वान किया। रामभद्राचार्य ने दावा किया कि हनुमान जी की कृपा से पाकिस्तान को हिंदुस्तान से खदेड़ दिया जाएगा। इसके साथ ही, उन्होंने श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मामले पर भी अपनी प्राथमिकता जाहिर की। उन्होंने कहा कि उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि का अधिकार प्राप्त कर लिया है, लेकिन अब उनकी नजर श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर है। उन्होंने कहा कि जब तक यूपी के मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि का हक नहीं मिल जाता, तब तक वे किसी भी कृष्ण मंदिर में दर्शन नहीं करुंगा। इस बयान ने धार्मिक और राजनीतिक हलकों में बहस को जन्म दिया है और समाज में इसके प्रति मिलीजुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। जहां जगदगुरु रामभद्राचार्य ने पीओके को लेकर दिया बयान पाकिस्तान को मिर्ची लगाना लाजिमी है। वहीं देश में भी विरोध दलों को जगदगुरु रामभद्राचार्य का यह बयान रास नहीं आने वाला है।

बिहार में छठ के दौरान डूबने से 45 की मौत

-मरने वालों में ज्यादा बच्चे

पटना(ईएमएस)। बिहार में छठ पर्व के दौरान डूबने से 45 लोगों की मौत हो गई है। कोसी-सीमांचल और पूर्वी बिहार के अलग-अलग जिलों में छठ पर्व पर डूबने से 22 लोगों की जान चली गई। सबसे ज्यादा खगड़िया में 4 लोग डूब गए। इसके अलावा मुंगेर और सहरसा में 3-3, मधेपुरा, किशनगंज, लखीसराय और अररिया में 2-2 लोगों और छपरा में 2 लोगों की डूबने से मौत हुई है। कटिहार और पूर्णिया में 1-1 की मौत हुई है।

वहीं, भागलपुर जिले में दो लोगों की डूबने से मौत हो गई। लापता की एसडीआरएफ की टीम तलाश कर रही है। खगड़िया में अलग-अलग जगहों पर छठ घाट तैयार करने और नदी में स्नान के दौरान दो किशोरी समेत पांच लोग डूब गए। इसमें से चार के शव को निकाला गया। लापता किशोरी को एसडीआरएफ टीम ढूंढ रही है।

लोकपाल ने माधबी पुरी बुच से स्पष्टीकरण मांगा, 4 सप्ताह का समय दिया

हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों का है मामला

नई दिल्ली (ईएमएस)। हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के बाद, लोकपाल ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच से स्पष्टीकरण मांग लिया है। यह मामला तब सामने आया जब एक लोकसभा सांसद और दो अन्य शिकायतकर्ताओं ने सेबी प्रमुख बुच के खिलाफ आरोप लगाकर लोकपाल से शिकायत की थी। इन शिकायतों में बुच और उनके पति धवल बुच पर अडानी समूह से जुड़े कथित वित्तीय हेराफेरी मामले में हिस्सेदारी रखने का आरोप लगा है।

लोकपाल ने साफ कर दिया हैं कि यह स्पष्टीकरण मांगना मात्र एक प्रक्रियात्मक कदम है, और इस कदम को किसी प्रकार का निर्णय या निष्कर्ष न समझा जाए। लोकपाल ने सेबी प्रमुख बुच को सभी शिकायतों का विस्तृत जवाब देने के लिए 4 सप्ताह का समय दिया है। इस मामले पर अगली सुनवाई 19 दिसंबर को होगी है।

दरअसल हिंडनबर्ग ने रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि बुच दंपति का अडानी समूह से जुड़े विदेशी फंड में निवेश है। हालांकि, बुच दंपति ने आरोपों को खारिज कर इन आरोपों को उनकी और सेबी की साख को चोट पहुंचाने का प्रयास बताया। विपक्षी सांसद महुआ मोइत्रा ने भी सेबी प्रमुख के खिलाफ शिकायत की थी और प्रारंभिक जांच के लिए प्रवर्तन निदेशालय या सीबीआई को मामले को सौंपने की मांग की थी।

मुख्यमंत्री सुक्खू के गायब समोसे पर सामने आई सीआईडी की रिपोर्ट

विपक्ष ने कहा- देश भर में हंसी का पात्र बन रहे मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के गायब समोसे पर अब सीआईडी ने लिखित रिपोर्ट जारी की है। अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने कहा है कि सही व्यक्ति को समोसा और केक नहीं परोसे जाने के लिए जिम्मेदार लोगों ने अपने एजेंडे के अनुसार काम किया। विभाग ने कहा कि वह मामले की जांच नहीं कर रहा है। लेकिन एक लिखित रिपोर्ट सौंपी गई है। सीआईडी रिपोर्ट में कहा गया है कि महानिरीक्षक रैंक के एक अधिकारी ने पुलिस के एक उपनिरीक्षक (एसआई) को मुख्यमंत्री के दौरे के लिए होटल से कुछ खाने-पीने की चीजें लाने को कहा था। उपनिरीक्षक ने बदले में एक सहायक उप निरीक्षक और एक हेड कांस्टेबल को खाने-पीने की चीजें लाने का निर्देश दिया। एएसआई और हेड कांस्टेबल ने होटल से तीन सीलबंद डिब्बों में अल्पाहार लाकर एसआई को सूचित किया। जब उन्होंने डयूटी पर मौजूद पर्यटन विभाग के कर्मचारियों से पूछा कि क्या तीनों डिब्बों में रखा अल्पाहार मुख्यमंत्री को परोसा जाना था, तो उन्होंने कहा कि ये मेन्यू शामिल नहीं थे।

जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि केवल उस एसआई, जिसने एएसआई और हेड कांस्टेबल को होटल से अल्पाहार लाने का काम सौंपा था, को ही इस बात की जानकारी थी कि तीनों डिब्बे सुक्खू के लिए थे। जिन महिला निरीक्षक को खाद्य सामग्री सौंपी गई थी, उन्होंने किसी वरिष्ठ अधिकारी से पूछे बिना ही अल्पाहार को यांत्रिक परिवहन अनुभाग को भेज दिया। इस प्रक्रिया में अल्पाहार के तीन डिब्बों का कई लोगों के हाथों में आदान-प्रदान हुआ। इस बीच हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए विधानसभा में विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार के फैसले देश में चर्चा का विषय बन गए हैं क्योंकि ये बिना सोचे समझे लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब ये फैसले हास्य का विषय बन जाते हैं तो इन्हें बदलने का प्रयास किया जाता है। बता दें कि जब सीआईडी मुख्यालय में 21 अक्टूबर को एक समारोह में भाग लेने गए मुख्यमंत्री को परोसने के लिए लक्कड़ बाजार स्थित एक होटल से समोसे और केक लाये गये थे। हालांकि पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारी द्वारा की गई जांच की रिपोर्ट के अनुसार खाने की चीजें समन्वय की कमी के कारण सुरक्षा कर्मचारियों को परोसी गई थीं।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना कल लेंगे देश के 51वें चीफ जस्टिस की शपथ

सीजेआई बनने के बाद नहीं जा पाएंगे सुबह की सैर पर!

नई दिल्ली(ईएमएस)। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना सुप्रीम कोर्ट के 51वें चीफ जस्टिस (सीजेआई) बनेंगे। उनका कार्यकाल केवल छह महीने का ही होगा और वे मई, 2025 में सेवानिवृत्त हो जाएंगे। चीफ जस्टिस की मॉर्निंग वॉक को लेकर सामने आई खबरों में दावा किया गया है कि सोमवार को चीफ जस्टिस के रूप में शपथ लेने से पहले ही न्यायमूर्ति खन्ना ने अपनी पसंदीदा गतिविधि- एकांत में सुबह की सैर छोड़ने का निर्णय लिया। ऐसा इसलिए क्योंकि नियुक्ति अधिसूचना जारी होने के बाद उन्हें सुरक्षाकर्मियों के साथ सुबह की सैर पर जाने की सलाह दी गई, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वे ऐसा करने के आदी नहीं हैं।

जस्टिस संजीव खन्ना को जानने वाले कानूनी पेशेवर बताते हैं कि न्यायमूर्ति खन्ना बेहद आम जीवन जीने में यकीन रखते हैं। ऐसे में जब वे भारत के चीफ जस्टिस नामित हुए तो उनकी सुरक्षा को लेकर खास बंदोबस्त किए जाने लगे। सुप्रीम कोर्ट से जुड़े वकील बताते हैं कि दैनिक जीवन में जस्टिस खन्ना सुबह की सैर जरूर करते हैं। हालांकि, अब चीफ जस्टिस बनने के बाद वे सुबह की सैर नहीं कर सकेंगे। उन्होंने कुछ खास कारणों से सुबह की सैर छोड़ने का फैसला किया है। सरल और शांत स्वभाव के जस्टिस खन्ना अब अपने जीवन की शीर्ष उपलब्धियों में एक हासिल करने वाले हैं। उन्हें जानने वाले लोगों के हवाले से आई कुछ खबरों में दावा किया गया है कि सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश बनने के बावजूद उनके व्यक्तित्व में स्कूल-कॉलेज के दिनों की तुलना में बहुत बदलाव नहीं आया है। इसकी मिसाल उस समय मिली थी जब करीब छह महीने पहले मई में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान वे मतदान करने पहुंचे। पत्रकारों और फोटो जर्नलिस्ट उनका इंतजार ही करते रह गए और जस्टिस खन्ना अपनी निजी कार से मतदान करने के बाद घर भी लौट गए।

विशेष सुरक्षा घेरा में रहेंगे खन्ना

सुप्रीम कोर्ट चीफ जस्टिस की कुर्सी संभालने के बाद न्यायमूर्ति खन्ना को विशेष सुरक्षा घेरा प्रदान किया जाएगा। देश के चुनिंदा शीर्ष संवैधानिक पदों में शामिल इस पद पर आसीन शख्सियत को लेकर कई प्रोटोकॉल फॉलो करने पड़ते हैं। इन्हीं में एक है सुरक्षा बंदोबस्त। हालांकि, बेहद साधारण और आम जीवन जीने वाले न्यायमूर्ति खन्ना अपने करीबी लोगों और दोस्तों से मिलने के दौरान भी काफी लो प्रोफाइल तरीके से रहते हैं। वे अपनी गाड़ी भी खुद ड्राइव करना पसंद करते हैं।

फिक्की ने हर्षवर्धन अग्रवाल को नया अध्यक्ष चुना

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सबसे बड़े उद्योग निकाय भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) ने हर्षवर्धन अग्रवाल को नया अध्यक्ष चुना है। उद्योग निकाय फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति की बैठक (एनईसीएम) में हर्षवर्धन अग्रवाल अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गए। वे वर्तमान में फिक्की के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

फिक्की ने बताया कि इमामी लिमिटेड के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हर्षवर्धन अग्रवाल को 2024-25 के लिए उद्योग मंडल फिक्की का अध्यक्ष चुना गया है। अग्रवाल 21 नवंबर को राजधानी नई दिल्ली में आयोजित होने वाली फिक्की की 97वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के समापन पर महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक और मौजूदा अध्यक्ष डॉ. अनीश शाह की जगह लेंगे।

उल्लेखनीय है कि हर्षवर्धन अग्रवाल 3.1 अरब अमेरिकी डॉलर के विविध व्यवसाय समूह इमामी के दूसरी पीढ़ी के नेता हैं। उन्हें 2016 में द इकोनॉमिक टाइम्स और स्पेंसर स्टुअर्ट द्वारा प्रतिष्ठित 'अंडर 40' सूची में भारत के सबसे हॉट यंग बिजनेस लीडर के रूप में सम्मानित किया गया था। वे अपने व्यापक बहु-कार्यात्मक ज्ञान और अनुभव के साथ अग्रवाल समूह इमामी लिमिटेड के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में एफएमसीजी व्यवसाय का नेतृत्व करते हैं। हर्षवर्धन अग्रवाल एक कुशल रणनीतिकार, विविध इमामी समूह के रणनीतिक थिंक-टैंक के एक प्रमुख सदस्य भी हैं, जो संगठन के विकास को आगे बढ़ाते हैं।

भारत का पहला वैश्विक भैरव अष्टमी महोत्सव 15 नवंबर से नीमच में होगा

जन हितैषी

कोमा से चैतन्य अवस्था में आ रहा है, विपक्ष और मतदाता

महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव का प्रचार चरम पर है। पिछले 10 वर्षों में पहली बार विपक्ष और मतदाता अब मुखर होकर सामने आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा विपक्ष के ऊपर जो आरोप लगाती हैं। विपक्ष अब उसका न केवल जवाब देना, सीख गया है। बरन भाजपा और केंद्र सरकार के ऊपर दमदारी के साथ आरोप लगाना भी सीख गया है।पिछले 10 वर्षों में इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों और विपक्ष ने भाजपा की हर रणनीति को समझ लिया है। जिस तरह से भाजपा चुनाव के दौरान जो घोषणा करती है। वह चुनाव के बाद जुमले बनकर रह जाते हैं। पिछले 10 साल के वादों को लेकर अब विपक्षी दलों ने भाजपा नेताओं के ऊपर हमला करना सीख लिया है। हाल ही में महाराष्ट्र के चुनाव में बंटेंगे तो कटेंगे, जैसे नारों पर भाजपा के ही सहयोगी दलों ने आपत्ति जताते हुए खुलकर विरोध जताया है। असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वा शर्मा झारखंड में जाकर जिस तरह से बंगाली घुसपेठियों को लेकर झारखंड सरकार को घेरने की कोशिश की। उसका जवाब भी उन्हें बड़े तगड़े तरीके से मिला है। झारखंड मुक्ति मोर्चा और इंडिया गठबंधन ने हेमंत विश्वा शर्मा और भाजपा को यह कहकर घेर लिया है। झारखंड की कोई भी सीमा बांग्लादेश से नहीं लगती है। बांग्लादेश के घुसपेठिये यदि झारखंड में आ रहे हैं, तो यह केंद्र सरकार की नाकामी है। केंद्र सरकार अपनी नाकामी का ठीक कर झारखंड सरकार पर कैसे फोड़ सकती है जो आरोप भाजपा नेताओं द्वारा विपक्ष के ऊपर लगाए जाते हैं। विपक्ष अब उसका जवाब देने और भाजपा को घेरने का कोई मौका नहीं चूक रहा है। जिसके कारण भारतीय जनता पार्टी को अब चुनाव के दौरान जवाब देना मुश्किल हो रहा है। महाराष्ट्र में धार्मिक धुर्वीकरण का कोई भी प्रयास सफल होता हुआ नहीं दिख रहा है। उल्टे एनडीए गठबंधन के सहयोगी अजीत पवार और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे दोनों ने विरोध जताया है। भाजपा के बाहरी नेता महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। सार्वजनिक रूप से यह कहा गया, कि इस तरह के बिगड़े बोल महाराष्ट्र के चुनाव में उल्टा असर दिखाएंगे। भाजपा नेताओं के बयान से अजीत पवार और एकनाथ शिंदे ने अपने आप को दूर कर लिया है। इसी तरह से झारखंड में भी बांग्लादेशी घुसपैठिए के नाम पर जो धार्मिक धुवीकरण का वातावरण बनाया जा रहा था। उससे भी आम जनता प्रभावित होती हुई नजर नहीं आ रही है। पिछले 10 वर्षों से भाजपा ने चुनाव लड़ने का ट्रेंड बदल दिया है। वह मतदाताओं की जरूरतों, महंगाई, बेरोजगारी जैसे विषयों को छोड़कर अब केवल धार्मिक धुवीकरण की बात करते हैं। विकास की कोई बात नहीं करते हैं। भाजपा नेताओं के पास केवल दो मुद्दे चुनाव प्रचार के लिए होते हैं। एक तो हिंदू मुसलमान का धार्मिक धुवीकरण और विपक्षी नेताओं के ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर चुनाव को जीतने की कोशिश बीजेपी करती है। पिछले 10 वर्षों से यही सब होते हुए जनता देख रही है। भारतीय जनता पार्टी सही मायने में मतदाताओं को विश्वास नहीं दिला पा रही है। भाजपा जो बोल रही है उसे पूरा किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी को भी पता है, उसे चुनाव किस तरह से जीतना है। इसके लिए वह समय-समय पर चुनाव आयोग, ईड़ी, स्थानीय प्रशासन, पुलिस और न्यायपालिका का उपयोग कर चुनाव जीतने के लिए सुनयोजित प्रयास करती है। जिसका फायदा चुनाव परिणाम में भाजपा के पक्ष में ही निकालकर सामने आता है। हरियाणा विधानसभा का चुनाव जिस तरीके से भारतीय जनता पार्टी ने जीता है। उसके बाद यह आम धारणा बन चली है, परिणाम तो भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में ही आएंगे। जनता और विपक्षी दल खुलकर यह कहने लगे हैं, जिसके कारण चुनाव की विश्वसनीयता घटती चली जा रही है। झारखंड में पहले चरण का मतदान दो दिन बाद होना है। आयकर विभाग की टीम ने जब मतदान होने में इतना कम समय रह गया है। तब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आसपास के लोगों पर जो चुनाव में काम कर रहे थे। उनके यहां आयकर का छापा डलवा दिया। उन्हें चुनाव मैं काम करने से एक तरह से रोककर चुनाव को प्रभावित किया है। मतदाता अब इन सब बातों को समझने लगा है। इससे भाजपा को फायदा होगा या हेमंत सोरेन के पक्ष में सहानुभूति लहर बनेगी, यह कहना मुश्किल है। चुनाव परिणाम में यह स्पष्ट हो जाएगा चुनाव के दौरान इस तरह से विपक्ष को आतंकित और प्रताड़ित करने से चुनाव परिणाम में क्या असर पड़ा है। बड़े बुजुर्ग यह कहते हैं। जिन कारणों से सफलता मिलती है, वही असफलता के कारण भी होते हैं। धार्मिक धुवीकरण को लेकर पिछले वर्षों में भाजपा को बहुत सफलता मिली है। भाजपा की केंद्र और कई राज्यों में सरकार भी बन गई। सरकार बनने के बाद भारतीय जनता पार्टी आज भी धार्मिक धुव्रीकरण को ही अपनी सफलता का आधार मानती है, तो वह गलती कर रही है। 10 साल के शासन में रहने के बाद अब आम जनता के लिए सरकार ने क्या काम किए हैं। इस आधार पर जनता वोट करेगी। जो वादे मतदाताओं को पहिले प्रभावित कर देते थे। यदि वह वास्तविक स्वरूप में जमीन पर नहीं उतरते हैं। सपने दिखाकर मतदाताओं को ज्यादा समय तक जोड़कर नहीं रखा जा सकता है। बार-बार प्रबंधन से चुनाव भी नहीं जीते जा सकते हैं। भाजपा और विपक्ष को यह समझना होगा। समय तेजी के साथ बदलता है, समय के साथ सब कुछ बदल जाता है। इस बदलाव को यदि समझने में भूल होती है, तो वही असफलता का सबसे बड़ा कारण बनती है।

जानलेवा होता सड़क जाम

रोड टैक्स अदा किये बिना यदि आप सड़क पर अपना वाहन चलाते हुये पकड़े गये तो आपका चालान/जुर्माना होना निश्चित है। और अब तो जगह जगह सड़कों पर लगे टोल वसूली बैरियर्स पर हर लेन में मोटे अक्षरों में लिख दिया गया है कि टोल दिये बिना भागने वाले से दस गुना टोल वसूली की जायेगी। इसी तरह इन्शुरेन्स के बिना या कार सीट बेल्ट लगाये बग़ैर या दुपहिया वाहन से हैलमेट लगाए बिना आप चलते हैं तो भी चालान को दावत दे रहे हैं। गोया आपके वाहन में कोई भी काग़ज़ की कमी है फिर तो आपका सड़क पर निकलना चालान/जुर्माना भरने को दावत देना है। यहाँ तक कि यदि किसी मजबूरीवश कोई वाहन स्वामी समय पर टैक्स नहीं दे सका तो सरकार उससे जुर्माने के साथ टैक्स वसूल करती है? परन्तु सवाल यह है कि टोल व मार्ग टैक्स व कमेटी टैक्स आदि के नाम पर धन वसूली करने वाली सरकार इस वसूली के बदले में जनता को क्या देती है ?

जब हम सड़क पर वाहन चलाते हैं तो हमें पता चलता है कि सड़कों पर कहीं गड्ढे हैं तो कहीं टोल पर लंबी लाइनें। सड़कों पर कई कई घंटों के लंबे जाम हैं तो उसी जाम में धुल,धुएं और प्रदूषण भरी घुटन। क्या इसी दुर्व्यवस्था के बदले सरकार आम लोगों से वाहन व उसके नाम पर अन्य टैक्स वसूलती है ? और सबसे बड़ी बात यह कि सरकार की ग़लत,पूंजीवादी व विवादित नीतियों का भुगतान आख़िर जनता क्यों करे। उदाहरण के तौर पर गत एक वर्ष से पंजाब-हरियाणा के शंभु बॉर्डर पर दिल्ली अमृतसर मुख्य मार्ग पर किसानों के कई संगठन धरने पर बैठे हैं। परन्तु हरियाणा की भाजपा सरकार उन्हें दिल्ली जाने के लिये हरियाणा में प्रवेश नहीं करने दे रही। दिल्ली सल्तनत का फ़रमान है कि किसान दिल्ली से दूर रहें। हरियाणा सरकार उसी आदेश पर अमल करते हुये किसानों को बलपूर्वक शंभु बॉर्डर पर रोके हुये है। और इन्हीं किसानों के धरने के कारण सरकार ने देश का सबसे व्यस्ततम मार्ग रोक रखा है। किसानों की क्या मांगें हैं, सरकार क्यों पूरी नहीं कर रही, किसानों के दिल्ली जाने से सरकार को क्या परेशानी होगी ,इन बातों से आम लोगों का क्या वास्ता। वाहन टैक्स भरने वाले आम लोगों को तो बिना बाधा के सुचारु रूप से चलने वाला राजमार्ग चाहिये जो उसे सरकार नहीं दे पा रही है। नतीजतन अमृतसर -भटिंडा -जम्मू कश्मीर तक का वह ट्रैफ़िक जो राजपुरा -शम्भू -अम्बाला से गुज़र कर दिल्ली की ओर निकल जाता था अब उसे राजपुरा -ज़ीरकपुर से वाया चंडीगढ़ -डेराबसी-अम्बाला मार्ग से होकर गुज़रना पड़ रहा है। इस मार्ग परिवर्तन के चलते चंडीगढ़ -अम्बाला मार्ग लगभग 24 घंटे बाधित रहता है। और टोल पर भी लंबी क़तारें लगी रहती हैं।

सवाल यह है कि फिर सब्ज़ बाग़ दिखाने वाली ऐसे निरर्थक ख़बरों से जनता को क्या हासिल जो समय समय पर सरकार द्वारा अपनी पीठ थपथपाने के लिये विज्ञापनों के माध्यम से की जाती हैं कि देश में सड़कों का रिकार्ड निर्माण हो रहा है। सड़कों का जाल बिछ रहा है,आदि। यदि ऐसा है तो जाम की स्थिति क्यों ? कुछ समय से सरकार ने प्रदूषण कम करने के नाम पर 10 -15 वर्ष पुराने वाहन का चलन बंद करने का निर्णय लिया है। दिल्ली में तो इनका प्रवेश पूर्णतय: वर्जित है। इस नीति की आलोचना करने वालों का मत है कि यह नियम पूंजीपतियों के मुनाफ़े की ख़ातिर बनाये गए हैं ताकि ज़्यादा से ज़्यादा वाहन बिक सकें। उधर जगह जगह फाइनेंसर भी कार लोन देने के लिए तैयार बैठे हैं। ऐसे में सड़कों पर उधार की चमचमाती हुई नई गाड़ियों की क़तार बढ़ना भी स्वभाविक है।

सड़कों पर लगने वाले इन दमघोंटू और जानलेवा जाम का प्रभाव केवल यही नहीं होता कि जाम में फंसे लोग 2-4 घण्टों के जाम के बाद अपने घरों को पहुँच जाते हैं। जी नहीं, इन्हीं जाम में फंसी बसों में अनेक यात्री ऐसे होते हैं जो चंडीगढ़,हिमाचल या अन्य क्षेत्रों से बसों में बैठकर अंबाला छावनी जाते हैं जहाँ से उन्हें यू पी -बिहार या अन्य राज्यों की लंबी दूरी की ट्रेन पकड़नी होती है। परन्तु रोज़ाना के इस जाम में घंटों तक फंसी होने वाली बसों के अनेक यात्रियों की ट्रेन रोज़ छूट जाती है। ज़रा सोचिये कि मुश्किल से महीनों पहले कराया गया आरक्षित टिकट होने के बावजूद लंबी यात्रा करने वालों की ट्रेन छूटने पर उस यात्री व उसके सहयात्री परिजन व बच्चों को इस जाम की क्या क़ीमत भुगतनी पड़ती होगी ? कम से कम सत्ता का सुख भोग रहे नेताओं को तो शायद इस बात का बिल्कुल नहीं पता?

इसी जाम में कहीं ऐम्बुलेंस फँस जाती है तो कोई अपनी परीक्षा या साक्षात्कार से हाथ धो बैठता है। खांसी दमे के तमाम मरीज़ों के लिये तो यह जाम दमघोंटू यहाँ तक कि जानलेवा भी साबित होता है। मगर सरकार के पास आमलोगों की इन परेशानियों का कोई समाधान नहीं। केवल एक चंडीगढ़-अम्बाला राजमार्ग ही नहीं बल्कि कहीं भी चले जाइये पहाड़ी क्षेत्रों में चंडीगढ़ - शिमला मार्ग हो या कुल्लू -मनाली मार्ग,एन सी आर में क्या ग़ाज़ियाबाद तो क्या दिल्ली गुड़गांव या दिल्ली के चारों तरफ़ का क़रीब 50 किलोमीटर का इलाक़ा तो रोज़ाना लगभग सारा दिन जाम का शिकार रहता है। इसी तरह देश के अन्य नगरों विशेषकर महानगरों में भी जानलेवा जाम लगे दिखाई देते हैं। क्या महाराष्ट्र,यू पी क्या बिहार तो क्या बंगाल हरियाणा पंजाब यानी देश का कोई भी राज्य ऐसा नहीं जहाँ ख़ासकर शहरों व क़स्बों में जाम न लगते हों।

फिर आख़िर भारी टैक्स भरने के बावजूद भी यदि जनता को इसी तरह के जाम का सामने करना पड़े तो इसका ज़िम्मेदार कौन है। जाम के कारण लाखों लोगों को रोज़ाना जो भारी नुक़्सान व परेशानियां उठानी पड़ती हैं वह जनता अपनी फ़रियाद लेकर कहाँ जाये ? क्या यह हालात इस बात के लक्षण नहीं कि सरकार जनता से किसी न किसी बहाने टैक्स तो वसूल कर लेती है परन्तु उसके बदले में जनता को वह सुविधा मुहैय्या नहीं करा पाती जिसके लिये टैक्स वसूला गया है ? अत: निश्चित रूप से यह केवल सरकार की ज़िम्मेदारी है कि वह जनता को जानलेवा होते जा रहे सड़क जाम से मुक्ति दिलाये। (लेखिका - निर्मल रानी/ईएमएस)

ट्रंप की जीत का आगाज़-इन देशों में मचा हड़कंप-नए साल में कई बदलाव दिखने की संभावना

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ की नज़रें 6 नवंबर पर लगी हुई थी कि 538 इलेक्टोरल सीटों में से ट्रंप या हैरिस किसकी जीत होगी क्योंकि ऐसा माना जाता है कि उससे ही दुनियाँ की दशा और दिशा तय होगीहालांकि कांटे की टक्कर थी,परंतु ट्रंप को 50 राज्यों की 538 सीटों में से 295 व कमला हैरिस को 226 सीटें मिली जबकि बहुमत के लिए 270 सीटें है। हालांकि अमेरिका का राष्ट्रपति कौन होगा उससे करीब-करीब हर देश को प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से फर्क पड़ता है,अमेरिका के आंतरिक मामलों, नीतियों में तो फर्क पड़ता ही है, परंतु विशेष रूप से पूरी दुनियाँ के देशों पर भी फर्क पड़ता है अब जबकि ट्रंप आ गए हैं, तो स्वाभाविक रूप से भारत पर बहुत ही सकारात्मक रूप से अच्छा प्रभाव पड़ेगा क्योंकि विशेष रूप से अमेरिका और भारत कीविचारधारा मिलती -जुलती है, जिसका सटीक उदाहरण ट्रंप ने दीपावली के समय अपने बयान में बांग्लादेश में हिंदुओं ईसाइयों सहित अल्पसंख्यकों पर हो रही बर्बर हिंसा लूट की सख्त निंदा की थी, व कहा था कि उसके शासन आने पर इसपर नियंत्रण होगा, जबकि हैरिस व बाइडेन ने इस मुद्दे पर चुपी सादी थी, कुछ बयांन नहीं आया था,जिसका इशारा दोनों की चुपी पर ट्रंप ने भीतंज कसा था।चूँकि ट्रंप जीत गए हैं, अब बांग्लादेश में हड़कंप मचा हुआ है वहीं केयरटेकर मोहम्मद यूनुस ट्रंप के विरोधी माने जाते हैं अब पड़ोसी मुल्क पाक और विस्तारवादी देश चीन पर भी लगामकसी जा सकती है,क्योंकि भारतीय पीएम अमेरिका राष्ट्रपति की दोस्ती हद्दे पार है, इसीलिए ही भारत के पढ़ोसी बहुत परेशान हो रहे हैं, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदुओं ईसाइयों सहित अल्पसंख्यकों की बर्बर हिंसा लूट की सख्त निंदा की थी इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, ट्रंप की जीत का आगाज़ इन देशों में मचा हड़कंप, नए साल में कई बदलाव दिखने की संभावना।

साथियों बात अगर हम ट्रंप की जीत से भारत के पढ़ोसियों में हड़कंप मचने की करें तो दरअसल, ट्रंप की जीत से हमारे पड़ोसी देश परेशान हैं,यानें जो हमें परेशान करने का कोई मौका नहीं छोड़ते, उनकी हालत ट्रंप के आने से खराब होनी तय है। पहला पड़ोसी पाकिस्तान है, आतंक से उसकी पक्की दोस्ती हैं, वर्तमान राष्ट्रपति उसपर मेहरबान थे। अमेरिका सख्ती कम कर रहा था,लेकिन ट्रंप के साथ ऐसा नहीं है,क्योंकि साल 2016 में जब ट्रंप राष्ट्रपति बने थे तो उन्होंने पाकिस्तान को आतंकवाद पर खूब लताड़ा था,उसे अमेरिका से मिलने वाली सहायता भी रोक दी थी। पाकिस्तान की माली हालत किसी से छिपी नहीं है, तो उसके लिए जेब खाली में आटा गीला वाली हालत है।अब बात हमारे सबसे बड़े पड़ोसी चीन की एलएसी पर 5 साल तक वो हमें आंख दिखाता रहा। लेकिन जो बाइडेन के मुंह से एक बार भी उसके लिए कुछ नहीं निकला, जिस चीन ने सारे समझौते तोड़कर भारत से रिश्ते खराब किए, उसे लेकर जो बाइडेन चुप रहे। एक तरह से उसे मनमानी करने का मौका दिया। लेकिन ट्रंप के साथ ऐसा नहीं है, वो टैरिफ लगाकर चीन को आर्थिक चोट पहुंचाने की सौगंध खाकर राष्ट्रपति बने हैं।2016 में भी उन्होंने चीन के साथ ट्रेड वॉर छेड़ी थी। चीन के होश ठिकाने लगा दिए थे। हांलाकि अमेरिका को भी नुकसान हुआ लेकिन ट्रंप टस से मस नहीं हुए,और इस बार भी ऐसा होगा।अब अगर चीन ने कुछ ऐसा वैसा किया तो ट्रंप भारत का खुलकर मजबूती के साथ साथ दे सकते हैं।हमारा तीसरा पड़ोसी बांग्लादेश है, जिसकी सेना शेख हसीना का तख्तापलट कर चुकी है,इसके पीछे अमेरिका बताया जा रहा है।अमेरिका के दम पर ही बांग्लादेश भारत को पिछले कुछ दिनों से आंख दिखा रहा था लेकिन ट्रंप बांग्लादेश के होश ठिकाने लगाएंगे। वो पहले ही बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ कार्रवाई करने का वादा कर चुके हैं।

साथियों बात अगर हम बांग्लादेश में हिंदू ईसाइयों सहित अल्पसंख्यकों पर हो रहे बर्बर हिंसा लूट पर ट्रंप की सख्त टिप्पणी की करें तो,बता दें कि 5 अगस्त को बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना देश छोड़कर भारत आ गईं थी। इससे उनका 15 साल का शासन खत्म हो गया था। उनकी सरकार के खिलाफ छात्रों का विरोध प्रदर्शन काफी बढ़ गया था। इसके बाद से देश में अल्पसंख्यक हिंदुओं को हिंसा का सामना करना पड़ा था। इतना ही नहीं उनके मंदिरों और दुकानों में भी तोड़फोड़ की गई।दरअसल, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू डरे हुए हैं, और ये डर इसलिए है क्योंकि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार में खुद को ताकतवर महसूस कर रहे मुस्लिम कट्टरपंथी संगठन अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बना रहे हैं।डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों पर बर्बर हिंसा और लूट की सख्त निंदा की है,साथ ही कहा है कि कमला हैरिस और जो बाइडेन ने पूरी दुनियाँ और अमेरिका में हिंदुओं को नजर अंदाज किया है जो कि ट्रंप कभी नहीं करेंगे, वे अमेरिकन हिंदुओं समेत पूरे विश्व में हिंदुओं की रक्षा करेंगे।ट्रंप के इस बयान को लेकर इस्कॉन ने भी तारीफ की है और धन्यवाद दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा,मेरे प्रशासन के तहत, हम भारत और मेरे अच्छे मित्र पीएम मोदी के साथ अपनी महान साझेदारी को भी मजबूत करेंगे। साथ ही, सभी को दिवाली की शुभकामनाएं। मुझे उम्मीद है कि रोशनी का यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत की ओर ले जाएगा।दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए भी डोनाल्ड ट्रंप ने डेमोक्रेटिक पार्टी की अपनी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस और वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन पर अमेरिका और दुनियाभर के हिंदुओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया,उन्होंने पहली बार बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का जिक्र किया और भारतीय पीएम को अपना अच्छा मित्र बताया, ट्रंप ने कहा कि बांग्लादेश पूरी तरह से अराजकता की स्थिति में है। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, मैं हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ बर्बर हिंसा की कड़ी निंदा करता हूं, जिन पर बांग्लादेश में भीड़ द्वारा हमला किया गया और लूटपाट की जा रही है। बांग्लादेश में पूरी तरह से अराजकता की स्थिति है।

साथियों बात अगर हम बांग्लादेश के कार्यवाहक केयरटेकर क्रे ट्रंप विरोधी होने की करें तो,डोनाल्ड ट्रंप को मोहम्मद यूनुस का विरोधी माना जाता है।वह घोषित तौर पर डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थक हैं। कई राष्ट्रपति चुनावों के दौरान उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए कैंपेन किया है और चुनावी चंदें भी दिए हैं। कहा तो यहां तक जाता है कि उनकी इसी काम के पारितोषिक के रूप में ओबामा प्रशासन ने उन्हें अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार दिलवाने के लिए लॉबिंग की थी। इसके अलावा हाल में बांग्लादेश में हुए विद्रोह के दौरान भी अमेरिका ने ही मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का मुखिया नियुक्त करवाया था। इसकी पुष्टि मोहम्मद यूनुस के अमेरिका दौरे पर भी हुई थी। खुद यूनुस ने स्वीकार किया था कि बांग्लादेश में हुआ विद्रोह पूरी तरह वहां पर प्लान किया गया था।जब 2016 में ट्रंप नए-नए अमेरिकी राष्ट्रपति बने थे, तब एक बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल वॉशिंगटन डीसी में उनसे मुलाकात करने पहुंचा था। इस डेलीगेशन में कुछ डेप्लोमेट, प्रमुख बांग्लादेशी नागरिक और कुछ सरकारी अधिकारी शामिल थे। जब प्रतिनिधिमंडल ने ट्रंप से मुलाकात की, तब उन्होंने एक ऐसा सवाल पूछा, जिससे सब लोग हैरान रह गए। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के साथ ऑफिशियल इंट्रोडक्शन से पहले ही यूनुस को लेकर पूछा कि वो ढाका का माइक्रो फाइनेंसर कहां है?डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा था,मैंने सुना है कि उन्होंने मुझे इलेक्शन में हारते देखने के लिए डोनेशन दिया था। यूनुस उस दौरान ढाका में स्थित ग्रामीण बैंक के हेड हुआ करते थे। ये बांग्लादेश का माइक्रो-फाइनेंस स्पेशलाइज्ड कम्युनिटी डेवलपमेंट बैंक है। माइक्रो फाइनेंसिंग में अच्छा काम करने के लिए यूनुस को 2006 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। बांग्लादेशी डेलीगेशन में शामिल एक अधिकारी ने उस दौरान एक इंटरव्यू में कहा था कि ट्रंप, यूनुस और उनकी संस्थाओं पर भड़के हुए थे।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ट्रंप की जीत का आगाज़- इन देशों में मचा हड़कंप-नए साल में कई बदलाव दिखने की संभावना ।डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों सहित अल्पसंख्यकों पर बर्बर हिंसा लूट की सख़्ती निंदा की थी।ट्रंप की जीत से दुनियाँ में, खासकर एशिया में भारत का दबदबा बढ़ेगा,स्थिति मजबूत होगी। (लेखक- किशन सनमुखदास भावनानीं / ईएमएस)

अनुच्छेद 370 पर आमने-सामने कांग्रेस और भाजपा

भारतीय राजनीति में जड़ता टूटने का नाम ही नहीं ले रही । सभी प्रमुख दलों का सुर एक जैसा है ,यानि मेरा टेसू यहीं अड़ा । बात महाराष्ट्र और झारखण्ड विधानसभा चुनावों की नहीं बल्कि उस जम्मू-कश्मीर विधानसभा की है जिसमें संविधान के अनुच्छेद 370 की वापसी के लिए रखे गए प्रस्ताव पर मुंहवाद ही नहीं हुआ बल्कि लात-घूंसे भी चले। जम्मू-काश्मीर से मीलों दूर महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और उनकी टीम ने समवेत स्वर में कहा कि -मोदी के रहते इस प्रावधान की वापसी कभी नहीं होगी। हालाँकि महाराष्ट्र और झारखण्ड के विधानसभा चुनावों का अनुच्छेद 370 से कोई लेना-देना नहीं है

अनुच्छेद 370 को हटाने कि पैरवी करते हुए प्रधानमंत्री जी और उनका कटक ड फ़ौज .एक ही तर्क दे रहा है कि जम्मू-काश्मीर में बाबा साहब अम्बेडकर का संविधान लागू है और वो ही रहेगा। अब सवाल ये है कि क्या संविधान का अनुच्छेद 370 का प्रावधान अमेरिका के संविधान से लिया गया था ? ये प्रवधान सौ फीसदी उसी संविधान का हिस्सा था जो बाबा साहब अम्बेडकर कि अगुवाई में रचा गया था। हमारा संविधान लचीला है ,उसे देश-काल के हिसाब से बदला जाता रहा है। कांग्रेस के समय भी और भाजपा के समय भी ,इसलिए कोई ये दम्भ और दावा कैसे कर सकता है कि जम्मू-काश्मीर को दोबारा अनुच्छेद 370 का संरक्षण नहीं मिल पायेगा।

आज का जम्मू -काश्मीर ,कल के जम्मू काश्मीर से एकदम अलग है । आज के कश्मीर के पास राज्य का वैभव नहीं है । ये वैभव उसे आजादी के बाद बाबा साहब के संविधान से ही हासिल हुआ था। आज वो खंड-खंड हो चुका है । केंद्र के अधीन क्षेत्र भर है आज का जम्मू-काश्मीर। उसे उसका राज्य का दर्जा भी वापस चाहिए और संविधान के अनुच्छेद 370 का संरक्षण भी। अब ये कब और कैसे होगा ? होगा भी या नहीं होगा ? ये कहना कठिन है। भाजपा ने जम्मू-काश्मीर विधानसभा में और देश के दूसरे हिस्सों में जिस तरह से अनुच्छेद 370 को लेकर प्रतिक्रिया दी है उसे देखकर ये तो तय है कि जम्मू-काश्मीर की जनता के साथ केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा कि सरकार ने वादा खिलाफी की है। जम्मू-काश्मीर के लोगों को इस सरकार के रहते न राज्य का वैभव वापस मिलेगा और न अनुच्छेद 370 का छाता।

संविधान के अनुच्छेद 370 को लेकर माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी और उनके हनुमान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोलें तो समझ में भी आता है, लेकिन जब बाबा योगी आदित्यनाथ बोलते हैं तो हंसी आती है। वे आजकल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा का नया माउथपीस बने हुए है। वे बटोगे तो कटोगे का नारा देने के बाद अब कहते फिर रहे हैं कि देश में अब कांग्रेस का हाल भी संविधान के अनुच्छेद 370 जैसा होगा,यानि कांग्रेस भविष्य में कभी केंद्र कि सत्ता में नहीं लौटेगी। योगी बाबा के नारे को लेकर भाजपा गठबंधन में फूटे विरोध के स्वर देखते ही प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस नारे को नया मुखौटा लगाने की चतुराई दिखाई है । उनका नया नारा है कि - एक रहोगे तो सेफ रहोगे ये हिंदी और अंग्रेजी का खिचड़ी नारा है । इस नारे से न मराठी मानुष प्रभावित होने वाला है और न झारखण्ड का आदिवासी समाज।

एक सामान्य पत्रकार होने के नाते मै माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी कि वाडी लेंग्वेज देखकर ये बात दावे के साथ कह सकता हूँ कि दस साल केंद्र की सत्ता में रहने के बाद भी माननीय मोदी जी के स्वभाव में कोई तब्दीली नहीं आयी है । वे नारा अवश्य सबका साथ ,सबका विकास का लगा रहे हैं लेकिन हकीकत ये है कि वे इस देश के अल्पसंख्यकों को न एक रहने देंगे और न सेफ । उन्हें बहुसंख्यक हिन्दुओं को एक रखने और सेफ रखने की सनक सवार है। ये सनक भी है और इसे का दृढ संकल्प भी कहा जा सकता है। आरएसएस का एजेंडा भी कहा जा सकता है। इसे आप जो चाहे सो कह सकते हैं। सम्भवत:वे राजनीति में अवतरित ही इसी के लिए हुए हैं

मुझे अनुच्छेद 370 वापस लाने में कोई दिलचस्पी नहीं है । मेरी चिंता जम्मू-काश्मीर कि जनता के साथ हो रहे दुराव को लेकर है । इस समय देश में लोकतंत्र के जितने भी स्तम्भ हैं उनमें से अधिकांश माननीय मोदी जी के सुर में सुर मिला रहे हैं या उनके प्रत्यक्ष और परोक्ष इशारों पर नर्तन कर रहे हैं। किसी एक विश्व विद्यालय के अलप संख्यक या बहुसंख्यक दर्जे का सवाल नहीं है, सवाल ये है कि आने वाले दिनों में क्या अल्पसंख्यकों को इतना दबाया जाएगा कि वे या तो बहुसंख्यक समाज के दास बन जाएँ या फिर देश छोड़कर भाग जाएँ,लेकिन ये दोनों ही सपने पूरे होने वाले नहीं है ।

अगर आप कान लगाकर सुनें तो आपको मोदी जी के सुर में वही तारत्व सुनाई देगा जो इजराइल के प्रधान नेतन याहू के या रूस के राष्ट्रपति पुतिन के या अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सुरों में शामिल है। एक अलग तरह का राष्ट्रवाद दुनिया के तमाम देशों में ठाठें मार रहा है। ऐसा दुनिया में पहले भी हुआ है ,आज भी हो रहा है और शायद कल भी होगा ,लेकिन इस राष्ट्रवाद की उम्र बहुत छोटी होती है। दुनिया में वही राष्ट्रवाद कामयाब है जहां सचमुच सभी जातियों ,धर्मों और वर्णों के लोग मिलजुल कर रहते हैं। भारत जिस बीमारी से 1947 में बचकर निकल गया था आज वही बीमारी तेजी से फ़ैल रही है। बांटने और काटने की बात आजादी के पहले सुनाई दी थी और आज आजादी के 77 साल बाद एक बार फिर से सुनाई दे रही है।

इस देश कि किस्मत में क्या लिखा है ये कहना बहुत कठिन है । उस देश ने बहुत से बुरे दिन देखे है। 1947 से पहले भी और 2014 के बाद भी। जबकि 2014 में नारा अच्छे दिन आएंगे का दिया गया था। नारा केवल नारा ही साबित हुआ। नारा अमल में नहीं आ पाया। इसके लिए देश कि जनता जिम्मेदार है या नेता ये कोई अदालत तय नहीं कर सकती । हमारे पास तो अदालतें आजकल आधे-अधूरे फैसले देने के लिए लोकप्रिय है, फैसले टालने के लिए चर्चित है। नेताओं के साथ आरतियां उतरने के लिए सुर्ख़ियों में है। अब जो होगा सो 23 नबंवर के बाद देखा जाएगा ,जब विधानसभा चुनावों /उप चुनावों के परिणाम सामने आएंगे । देखा जाएगा 25 नबम्वर को जब देश के संसद एक बार फिर बैठेगी।

अनुच्छेद 370 को लेकर दोबारा से शुरू हुई यलगार थमने वाली नहीं है। थम भी नहीं सकती,क्योंकि दोनों ही पक्ष झुकने को राजी नहीं है। याद रहे की अनुच्छेद 370 व्यवहार में तो हटाया जा चुका है किन्तु जम्मू-कश्मीर की जनता के दिलों से इसे हटाना आसान काम नहीं है। यदि होता तो विधानसभा चुनाव के बाद्घाटी में नेशनल कांफ्रेंस या इंडया गठबंधन की नहीं भाजपा गठबंधन एनडीए की सरकार होती। खंडित सूबे की जनता ने महाप्रभु मोदी का सपना खंडित कर एक और अपराध कर दिया है। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8183

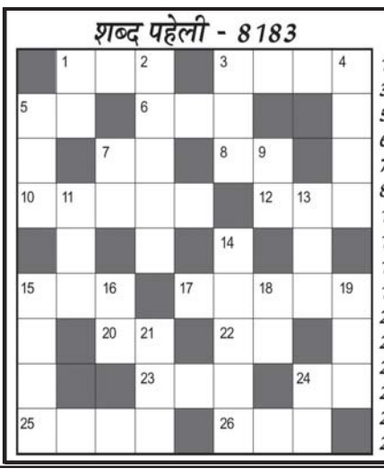

बाएँ से दाएँ

1.ईश वंदना-3
3.हाथ की तीसरी अंगुली-4
5.आगमन-2
6.स्वादिष्ट-3
7.हरसिंगार,पारिजात-2
8.क्रिकेट में बनते हैं-2
10.खौलना,उबलना-5
12.धनवान-3
15.खोदना-3
17.चुनाव,चयन-5
20.नसीब(अंग्रेजी-2)
22.कलर-2
23.रक्षक,संकटमोचक-3
24.कार्य,काज-2
25.सुंघनी,नस-4
26.पुराना जुकाम-3

ऊपर से नीचे

1.रुपए का सोलहवां भाग-2
2.कुलबुलाना,तड़पना-5
3.जो कभी बूढ़ा न हो-3
4.बंदूक की गोली-4
5.अभिलेख,लेख-3
7.रात,रात्रि (उर्दू-2)
9.मादा का विलोम-2
11.धुन,लगाव-3
13.चरित्र,नीयत-3
14.तफरीह-5
15.अनाज रखने की जगह-4
16.टोंटी,नलका-2
18.बहुमूल्य रत्न-2
19.अनाथ,बेसहारा-3
21.डोली उठाने वाले-3
24.सफेद का विलोम -2

शब्द पहेली -8182 का हल

ट्रंप की जीत व फेडरल की कटौती से भारतीय शेयर बाजार में कंसोलिडेशन जारी

मुंबई,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप जीत और सत्ता में वापसी और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती के चलते भारतीय शेयर बाजार में कंसोलिडेशन जारी रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारी बिकवाली के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव आया, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) और उच्च नेटवर्थ व्यक्ति (एचएनआई) ने बाजार को समर्थन दिया।

विशेषज्ञों के मुताबिक शेयर बाजार की वर्तमान स्थिति विशेष रूप से अत्यधिक मूल्यांकन वाले क्षेत्रों में कंसोलिडेशन (समेकन) की प्रक्रिया को दर्शाती है। एफआईआई की बिक्री के बावजूद भारतीय शेयर बाजार लचीला बना है क्योंकि घरेलू निवेशकों ने गिरावट को सहन किया और बाजार को मजबूत किया। अक्टूबर में डीआईआई ने भारतीय इक्विटी में 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश किया, जिससे भारतीय शेयर बाजार अपने वैश्विक समकक्षों से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। भारत की घरेलू मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में आई तेजी सकारात्मक संकेत है।

विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी आम चुनावों के बाद सरकारी खर्चों में वृद्धि होने की संभावना है, जिससे वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में कॉर्पोरेट आय में सुधार हो सकता है। तीसरी तिमाही में त्योहारी सीजन के कारण खपत में तेजी आ सकती है, जो बाजार की धारणा को सकारात्मक दिशा में प्रभावित कर सकता है। वैश्विक स्तर पर ट्रंप की वापसी ने राजनीतिक अनिश्चितता को कम किया है, जिससे वैश्विक बाजारों को राहत मिली है।

इसके साथ ही फेड द्वारा ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती से भी बाजार में स्थिरता आई। अक्टूबर में एफआईआई द्वारा 113,858 करोड़ रुपए की बिकवाली के बाद नवंबर में एफआईआई ने अब तक 19,849 करोड़ रुपए की इक्विटी बेची है। विशेषज्ञों कहते हैं कि यह बिकवाली का रुझान तब तक जारी रहेगा, जब तक डेटा रुझान में बदलाव का संकेत नहीं मिलता। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में हल्की गिरावट आई थी। सेंसेक्स 55.47 अंक या 0.07 फीसदी गिरकर 79,486.32 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 51.15 अंक या 0.21 फीसदी गिरकर 24,148.20 पर आ गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के रिटेल रिसर्च प्रमुख ने कहा कि निफ्टी का अल्पकालिक रुझान उतार-चढ़ाव भरा रहेगा और यह समेकन की स्थिति में कमजोर पूर्वाग्रह के साथ जारी रहने की उम्मीद है। निफ्टी के लिए अगला निचला समर्थन 23,800 के स्तर पर और तत्काल प्रतिरोध 24,537 के स्तर पर रहेगा।

बांग्लादेश में कट्टरपंथियों ने इस्कॉन पर बैन की मांग की

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश के चिटगांव में कट्टर इस्लामिक संगठन हिफाजत-ए-इस्लाम ने नमाज के बाद इस्कॉन (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कंश्यसनेस) के खिलाफ एक रैली निकाली। इन प्रदर्शनकारियों ने इस्कॉन के भक्तों को पकड़ने और उनका कत्ल करने के नारे लगाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस्कॉन पर बैन नहीं लगा, तब वे आंदोलन को तैयार है।

यह विवाद एक मुस्लिम व्यापारी की पोस्ट से शुरू हुआ, जिसमें कारोबारी ने इस्कॉन को आतंकी संगठन करार दिया था। इसके बाद हिंदू समुदाय के लोग नाराज हो गए और 5 नवंबर को चटगांव के उस्मान अली की दुकान के सामने विरोध प्रदर्शन किया। सेना और पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। इस घटना में 12 पुलिसवाले और कई हिंदू घायल हुए थे। इसके बाद पुलिस और सेना ने हजारी लेन इलाके में स्थानीय हिंदुओं पर बर्बरता से हमला किया।

हजारी लेन में करीब 25,000 लोग रहते हैं, जिसमें 90 प्रतिशत हिंदू हैं। इस्कॉन ने घटना में अपनी भूमिका से इंकार कर अपनी सुरक्षा की मांग की है। इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने स्थिति को लेकर चिंता जाहिर कर कहा कि कट्टरपंथी इस्लामी समूह खुलेआम इस्कॉन भक्तों को पकड़ने और उन्हें यातनाएं देने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने बांग्लादेश सरकार से हिंसक कार्रवाइयों को रोकने की अपील की है।

लाहौर में 1हजार के पार हुआ ए क्यू आई, घर से बाहर निकलना हुआ मुश्किल

लाहौर(ईएमएस)। पाकिस्तान का लाहौर शहर गैस चैंबर बन गया है। यहां एक्यूआई 1 हजार के पार है। लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया है। दम घुट रहा है और लोगों के फेंफड़े खराब हो रहे हैं। ऐसे में बीमारों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रदूषण के कारण लोग घर से बाहर निकलने से कतराने लगे हैं, और अस्पतालों में सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। प्रांतीय सरकार और डॉक्टरों ने लोगों को मास्क पहनने की सलाह दी है। इसके अलावा, पंजाब सरकार ने स्मॉग आपातकाल घोषित कर दिया है और लाहौर तथा अन्य प्रभावित जिलों में 17 नवंबर तक सभी उच्च माध्यमिक शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया है।

पंजाब प्रांत की सरकार ने प्रदूषण की बढ़ती समस्या के मद्देनजर सार्वजनिक और निजी पार्कों, चिड़ियाघरों, ऐतिहासिक स्थानों, संग्रहालयों और मनोरंजन/खेल के मैदानों में लोगों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। यह आदेश लाहौर में वायु गुणवत्ता के खतरनाक स्तर तक गिरने के बाद जारी किया गया, जहां एयर क्वालिटी इंडेक्स कई क्षेत्रों में 1000 अंक को पार कर गया, जिससे यह शहर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गया है। पंजाब पर्यावरण संरक्षण एजेंसी ने यह आदेश जारी किया, और इसके महानिदेशक इमरान हामिद शेख ने बताया कि यह प्रतिबंध न केवल लाहौर, बल्कि शेखूपुरा, कसूर, ननकाना साहिब, गुजरांवाला, फैसलाबाद, मुल्तान और अन्य कई जिलों में भी लागू होगा। शेख ने स्पष्ट किया कि जो लोग इस आदेश का उल्लंघन करेंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश एक दिन बाद आया, जब लाहौर में एक्यूआई खतरनाक स्तर पर पहुंच गया, जो वायु प्रदूषण के गंभीर प्रभाव को दर्शाता है।

पाकिस्तान के क्वेटा रेलवे स्टेशन आत्मघाती हमले में मरने वालों की संख्या 24 पहुंची, जांच शुरु

क्वेटा,(ईएमएस)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा रेलवे स्टेशन पर हुए एक सुसाइड बम धमाके में 24 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 14 पुलिस जवान भी शामिल हैं। इस हमले में 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए)नेइस हमले की जिम्मेदारी ली है, जबकि पाकिस्तानी अधिकारियों ने इसे सुसाइड ब्लास्ट बताते जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक यह धमाका सुबह करीब 9 बजे हुआ, जब ट्रेन प्लेटफॉर्म पर पहुंचने वाली थी और यात्री ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। धमाका रेलवे स्टेशन के बुकिंग ऑफिस के पास हुआ, जहां बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। हादसे के बाद घायल यात्रियों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस हमले में कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 14 पुलिस कर्मी हैं, जो स्टेशन पर तैनात थे। घायलों में कई गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस हमले की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली है। बीएलए का कहना है कि यह एक सुसाइड अटैक था, जिसमें उनका निशाना स्टेशन पर तैनात पुलिस जवान थे। पाकिस्तान के अधिकारियों ने इस हमले के पीछे बीएलए का हाथ होने की पुष्टि नहीं की है, लेकिन शुरुआती जांच में यह हमला आत्मघाती प्रतीत हो रहा है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के मुताबिक घटना के बाद घटनास्थल पर पुलिस और सेना की टीमें पहुंच गईं और जांच शुरू कर दी गई।

मृतकों में 14 पुलिस जवानों की पहचान हुई है, जबकि अन्य लोग आम नागरिक हैं, जिनमें रेलवे स्टेशन पर काम करने वाले कर्मचारी भी शामिल हैं। घायलों में कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। बलूचिस्तान के सीएम सरफराज बुगती ने इस हमले के बाद इमरजेंसी बैठक बुलाई और अधिकारियों को मामले की जांच के आदेश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि हमले के दोषियों को पकड़ने के लिए कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे एक कायरतापूर्ण हमला बताया और कहा कि इसके दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और कहा कि पाकिस्तान सरकार इस घटना की पूरी जांच करेगी और दोषियों को सजा दिलवाएगी। यह हमला बलोचिस्तान में पहले से चल रहे हिंसक गतिविधियों का हिस्सा हो सकता है।

कतर सरकार ने दी चेतावनी, हमास नेता बिना देर किए छोड़ें देश

दोहा,(ईएमएस)। कतर और अमेरिका के बीच बातचीत के बाद अब कतर ने हमास नेताओं को देश छोड़ने की चेतावनी दी है। हमास के कई प्रमुख नेता कतर की राजधानी दोहा में शरण लिए हुए थे,अबउन्हेंवहां से जाने को कहा गया है। कतर सरकार का यह फैसला अमेरिका और कतर केहुई बातचीतका परिणाम है, जिसमें अमेरिका ने कतर से हमास नेताओं को शरण देना बंद करने की अपील की थी।

मीडियारिपोर्टमेंअमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक हमास एक आतंकवादी समूह है जिसने न केवल अमेरिकी नागरिकों की हत्या की, बल्कि बंधक भी बनाया है और बार-बार बंधकों को रिहा करने के प्रस्तावों कोनकारा है। इसके कारण अमेरिका ने कतर से कहा था कि हमास के नेताओं का किसी भी अमेरिकी साझेदार देश की राजधानी में रहना स्वीकार नहीं।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के लिए इस समय हमास और इजराइल के बीच संघर्ष को रोकना और युद्धविराम लागू करना सबसे पहली प्राथमिकता है। इस संदर्भ में कतर पर दबाव बढ़ा है, खासतौर पर इजराइल और अमेरिका के बंधक की मौत और हमास द्वारा युद्धविराम प्रस्ताव को नकारे जाने के बाद। अमेरिका ने कतर से आग्रह किया कि वह हमास नेताओं को निष्कासन की धमकी दे, ताकि वे गाजा में युद्ध रोकने के लिए सहमत हों।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने भी कतर से कहा था कि अगर हमास गाजा में युद्ध रोकने के लिए सहमत नहीं होता है, तो उसे दोहा से बाहर निकाल दिया जाएगा। हालांकि, कतर ने हमास के नेताओं को देश छोड़ने के लिए अतिरिक्त समय नहीं दिया है। यह कदम कतर और हमास के रिश्तों में दरार डाल बना सकता है। जानकारों का कहना है कि हमास के नेता तुर्की में शरण ले सकते हैं। कतर का यह कदम अमेरिका के रिश्तों में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है, क्योंकि कतर ने हमेशा मध्य-पूर्व में तटस्थ रहने की कोशिश की है।

पेंशनर्स के लिए वार्षिक भौतिक सत्यापन अनिवार्य

- सभी पेंशनर के ?लिए वा?र्षिक भौ?तिक सत्यापन की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेंशनर्स के लिए वार्षिक भौतिक सत्यापन अब अनिवार्य कर दिया गया है। इसके तहत पेंशनर्स को 31 दिसंबर तक सत्यापन कराना होगा, अन्यथा उनकी पेंशन अस्थायी रूप से बंद हो सकती है। पेंशनर्स इस सत्यापन को ई-मित्र कियोस्क, अटल सेवा केंद्र, या ई-मित्र प्लस केंद्र पर जाकर बायोमेट्रिक (अंगुली की छाप) के जरिए करवा सकते हैं। अगर किसी पेंशनर को बायोमेट्रिक सत्यापन में परेशानी आती है, तो वे आइरिस स्कैन या एंड्रॉइड मोबाइल ऐप पर फेस रिकॉग्निशन के माध्यम से भी सत्यापन करा सकते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि पेंशन निर्बाध रूप से जारी रहे, सभी पेंशनर्स को 31 दिसंबर से पहले अपना सत्यापन करवाना अनिवार्य है। पेंशनर्स के लिए भौतिक सत्यापन के विभिन्न विकल्प उपलब्ध हैं। बायोमेट्रिक सत्यापन न कर पाने पर, उनका सत्यापन आइरिस स्कैन के द्वारा किया जा सकता है और अगर वे इसके लिए भी सक्षम नहीं हैं, तो फेस रिकॉग्निशन के जरिए सत्यापन की सुविधा दी गई है। अगर इन सभी विधियों से सत्यापन संभव नहीं हो पाता, तो पेंशनर को पेंशन स्वीकृति अधिकारी के पास व्यक्तिगत रूप से जाकर ओटीपी के माध्यम से सत्यापन करना होगा। साथ ही यदि पेंशनधारक ने जन आधार से जुड़ी किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ लिया है, जैसे राशन या चिकित्सा बीमा, और वह बायोमेट्रिक सत्यापन से गुजर चुका है, तो उन्हें अलग से सत्यापन नहीं कराना होगा। वृद्धावस्था या शारीरिक अस्वस्थता के कारण जो पेंशनर्स केंद्रों पर नहीं जा सकते, उनके लिए संबंधित अधिकारी मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे सत्यापन करेंगे। पेंशनर्स को सत्यापन के लिए पीपीओ नंबर, जनआधार नंबर और आधार कार्ड नंबर के साथ ई-मित्र पर उपस्थित होना होगा और साथ ही उन्हें अपनी आय, जीवित होने का प्रमाण, तथा यह स्वघोषणा करनी होगी कि उनके पुत्र सरकारी सेवा में नहीं हैं और उनकी वार्षिक आय निर्धारित सीमा से अधिक नहीं है। यह प्रक्रिया पेंशन की निर्बाध जारी रखने के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी पेंशनर्स को समय रहते सत्यापन करवा लेना चाहिए।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार682 अरब डॉलर रहा - गोल्ड रिजर्व 1.2 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई (ईएमएस)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार एक नवंबर को समाप्त होने वाले हफ्ते में 2.6 अरब डॉलर गिरकर 682.13 अरब डॉलर हो गया है। हालांकि, इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार के मुख्य घटकों में से एक गोल्ड रिजर्व 1.2 अरब डॉलर बढ़कर 69.8 अरब डॉलर हो गया है।

एक ?विशेषज्ञ के मुताबिक वैश्विक उथलपुथल के बीच सोने की खरीदारी में बढ़त देखी जा रही है। ऐसी स्थिति में गोल्ड महंगाई या अनिश्चित आर्थिक परिस्थितियों में एक हेज के रूप में काम करता है। महंगाई में कमी के बाद भी गोल्ड की कीमतें सार्वज?निक उच्च स्तर पर बनी हुई है। इसके अलावा देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गोल्ड की हिस्सेदारी 2018 से 210 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर के अंत में 704.885 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। इसके कारण भारत अपनी विदेशी मुद्रा भंडार के आकार में चीन, जापान और स्विट्जरलैंड के बाद वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर पहुंच गया था। आरबीआई के अनुसार चालू वित्त वर्ष में देश का विदेशी मुद्रा भंडार कुल मिलाकर 34.5 बिलियन डॉलर बढ़ गया है, जो भुगतान संतुलन के आधार पर 11.2 महीनों के आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। यह अर्थव्यवस्था के मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियाद को दर्शाता है।

आरबीआई की ओर से विदेशी मुद्रा भंडार को रुपये में उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए उपयोग किया जाता है। उदाहरण के लिए जब विदेशी निवेशकों के द्वारा शेयर बाजार में भारी बिकवाली की जाती है, ऐसी स्थिति में डॉलर की मांग बढ़ने के कारण रुपये में तेज गिरावट आती है तो केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग कर रुपये की कीमत को गिरने से रोकता है।

रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर रबी शंकर ने हाल ही में एक मीडिया कार्यक्रम में कहा कि आरबीआई अत्यधिक विनिमय दर की अस्थिरता को संभालने के लिए अच्छी तरह से तैयार है, क्योंकि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद के लिए चुने जाने के कारण रुपये में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

अगले सप्ताह 26 अन्य कंपनियां एक्स-डेट पर कारोबार करेंगी

नई दिल्ली (ईएमसएस)। कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन, इंद्रप्रस्थ गैस, ऑयल इंडिया, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, केपीआई ग्रीन एनर्जी, इंडियन मेटल्स एंड फेरो अलॉयज और 19 अन्य कंपनियों के शेयर अगले सप्ताह फोकस में रहेंगे, क्योंकि ये कंपनियां अपने एक्स-डेट के करीब हैं। इन कंपनियों ने डिविडेंड, बोनस इश्यू (और स्टॉक स्प्लिट जैसी कॉर्पोरेट एक्शन की घोषणा की है।

बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, आईआरसीटीसी, ऑयल इंडिया और पावर ग्रिड के शेयर अगले सप्ताह एक्स-डिविडेंड के रूप में ट्रेड करेंगे। इन कंपनियों के शेयरहोल्डर्स को क्रमशः 3.25 रुपये, 4 रुपये, 3 रुपये और 4.50 रुपये प्रति शेयर के डिविडेंड का भुगतान किया जाएगा। इसके अलावा 16 अन्य कंपनियां भी अगले हफ्ते एक्स-डिविडेंड हो जाएंगी, जिनके शेयरहोल्डर्स को घोषित डिविडेंड रिवॉर्ड दिए जाएंगे।

बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक वर्थ इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी और बजाज स्टील इंडस्ट्रीज अपने अपने शेयरहोल्डर्स के लिए बोनस इश्यू की घोषणा के बाद अगले हफ्ते एक्स-डेट पर ट्रेड करेंगे।

इसके अलावा, वंडर इलेक्ट्रिकल्स, जोस्ट्स इंजीनियरिंग कंपनी, जेटीएल इंडस्ट्रीज और कॉन्टिल इंडिया भी स्टॉक स्प्लिट की घोषणा के बाद अगले सप्ताह एक्स-डेट पर ट्रेड करेंगे।

ट्रंप-जेलेंस्की की फोन पर हुई बात, रुस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने के मिल रहे सकारात्मक संकेत

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से पहली बार फोन पर बात की। इस दौरान एलन मस्क भी मौजूद थे। ट्रंप के चुनाव प्रचार के दौरान यूक्रेन को दी जाने वाली आर्थिक मदद का विरोध करने के बाद यूक्रेन चिंतित था, लेकिन इस बातचीत के बाद सकारात्मक संकेत मिले हैं।

अभी तक ट्रंप ने रुसी राष्ट्रपति पुतिन से संपर्क नहीं किया है। पुतिन ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर ट्रंप कॉल करेंगे, तो वह बात जरुर करेंगे। ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने का वादा किया था, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि उनका जेलेंस्की से बातचीत इसी दिशा में उठाया गया कदम हो सकता है।

इसमें एलन मस्क की मौजूदगी दर्शाती है कि ट्रंप प्रशासन में उनका कितन असर रहेगा। इससे पहले मस्क ने तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोआन से ट्रंप की कॉल में भी भाग लिया था, जिससे उनके बढ़ते प्रभाव का संकेत मिलता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीनों से ट्रंप और जेलेंस्की की टीमों के बीच संवाद चल रहा था। करीब 25 मिनट की कॉल में जेलेंस्की ने ट्रंप को चुनाव में जीत की बधाई दी। ट्रंप ने बातचीत में यूक्रेन के समर्थन का आश्वासन दिया और एलन मस्क ने भी स्टारलिंक उपग्रहों के जरिए से यूक्रेन का समर्थन जारी रखने की बात कही।

ट्रंप की हत्या के लिए ईरान ने दी खतरनाक किलर को सुपारी

मैनहटन (ईएमएस)। ईरान की पैरामिलिट्री रिवॉल्यूशनरी गार्ड के एक अनाम अधिकारी ने फरहाद शकीरी नाम के शख्स को ट्रंप की निगरानी और हत्या की जिम्मेदारी दी थी। ईरान ने यह योजना सितंबर में ही बनाई थी और एक हफ्ते में अंजाम तक पहुंचाने का इरादा भी किया था। ट्रंप की हत्या की साजिश में न्यूयॉर्क के दो लोग भी शामिल थे। फरहाद से यह भी कहा गया था कि अगर वह सितंबर में ऐसा करने में नाकाम रहा तो फिर उसे अमेरिकी चुनाव खत्म होने तक इंतजार करना होगा। ईरान को ऐसा लग रहा था कि ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव हार जाएंगे। ऐसे में ट्रंप के पास सुरक्षा का बहुत ताम-झाम नहीं रहेगा और उन्हें मारना आसान होगा। मैनहटन की संघीय अदालत में दाखिल एक आपराधिक शिकायत में यह बात कही गई है।

शिकायत के अनुसार शकीरी ने एफबीआई को बताया कि ईरानी अधिकारी ने उसे सात दिन के भीतर हत्या की योजना बनाने का निर्देश दिया था। हालांकि उसने तब योजना बनाई नहीं थी। ट्रंप की हत्या की साजिश का खुलासा उनकी जीत के कुछ ही दिनों के बाद हुआ है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावी अभियान के दौरान डोनाल्ड ट्रंप पर दो बार जानलेवा हमला हुआ है। इन हमलों के दौरान ट्रंप बाल-बाल बच गए थे। बता दें कि ईरान डोनाल्ड ट्रंप को मारकर ईरानी मेजर जनरल और कुद्स फोर्स के कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेना चाहता है। सत्ता में आने के बाद भी ट्रंप ने ईरान को लेकर अपने खतरनाक इरादे जाहिर कर दिए हैं। ऐसे में ईरान ट्रंप को खत्म कर देना चाहता है।

फरहाद के साथ इस साजिश में न्यूयॉर्क के रहने वाले दो लोग, 36 साल का जोनाथन लोधोल्ट और 49 साल का कार्लिस्ली रिवेरा भी शामिल थे। इन सभी के अलावा अमेरिका में रहने वाले दो यहूदी बिजनेसमैन और एक ईरानी-अमेरिकी ऐक्टिविस्ट भी साजिश में शामिल बताया गया है। 51 वर्षीय फरहाद शकीरी मूल रूप से अफगानी है। लूट के मामले में अमेरिकी जेल में 14 साल बिताने के बाद उसे 2008 में वहां से डिपोर्ट कर दिया गया था। इसके बाद वह ईरान की सेना में भर्ती हो गया था। अमेरिकी न्याय विभाग ने बताया है कि रिवेरा और जोनाथन को कस्टडी में ले लिया गया है। वहीं, शकीरी अभी भी ईरान में आजाद है।

युवाओं में कैंसर का खतरा तेजी से बढ़ रहा है, खासकर पाचन तंत्र से जुड़े मामलों में

वॉशिंगटन (ईएमएस)। कैंसर आजकल केवल वृद्ध लोगों की समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह तेजी से युवाओं को भी अपनी चपेट में ले रहा है। हाल ही में 44 देशों के कैंसर रजिस्ट्री डेटा की समीक्षा में यह तथ्य सामने आया है कि आंत और पाचन तंत्र से जुड़े 13 प्रकार के कैंसर के शुरुआती मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, खासकर 50 साल से कम उम्र के लोगों में। यह वृद्धि विशेष रूप से उच्च और मध्यम आय वाले देशों में देखी जा रही है, जहां जीवनशैली और खानपान में बदलाव इसके प्रमुख कारण हो सकते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि युवाओं में बढ़ रहे कैंसर के मामलों की मुख्य वजहें मोटापा, निष्क्रियता, डायबिटीज, स्मोकिंग, एल्कोहल का सेवन, प्रदूषण और पश्चिमी देशों में रेड मीट का अत्यधिक सेवन हो सकती हैं। उनका यह भी माना कि कुछ अज्ञात कारक जैसे खाद्य पदार्थों में मिलाए जाने वाले रासायनिक तत्व भी इस समस्या को बढ़ा रहे हैं, जिनका अभी तक सही ढंग से पता नहीं चला है।

विशेषज्ञों के अनुसार, कैंसर के अधिकतर मामले पेट और पाचन तंत्र से जुड़े होते हैं। उनका कहना है कि हर साल अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और जापान में कोलोरेक्टल कैंसर के मामलों में औसतन दो फीसदी की वृद्धि हो रही है। ब्रिटेन में यह दर तीन फीसदी है, जबकि कोरिया और इक्वाडोर में यह बढ़ोतरी 5ज्ञ तक पहुंच गई है। ओगिनो इसे मुद्रास्फीति के जैसे बढ़ते आंकड़ों से तुलना करते हुए बताते हैं कि अगर यह वृद्धि जारी रही तो अगले 10-20 सालों में इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

मोटापा अब एक सामान्य समस्या बन चुका है, जो कैंसर के जोखिम को और बढ़ा रहा है। डॉ. एलिजाबेथ प्लैट्ज़, जो जॉन्स हॉपकिन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की महामारी विज्ञानी हैं, मानती हैं कि यह रिव्यू इस बात को उजागर करता है कि युवा पीढ़ी भी अब कैंसर के शिकार हो रही है। वे कहती हैं कि मोटापा अब एक आम समस्या बन चुका है, जो पहले दुर्लभ था, और यह अब युवाओं में भी तेजी से बढ़ रहा है। वर्तमान समय में, कैंसर एक ऐसी बीमारी बन गई है जो न केवल बुढ़ापे बल्कि युवाओं में भी फैल रही है। युवा वर्ग में इसकी बढ़ती घटनाओं को देखते हुए, विशेषज्ञों का कहना है कि स्वस्थ जीवनशैली, नियमित शारीरिक गतिविधि, और संतुलित आहार को प्राथमिकता देना आवश्यक है, ताकि इस जानलेवा बीमारी से बचा जा सके।

भारत-अमेरिका संबंधों के बीच धार्मिक मुद्दे बन सकते है टकराव की वजह?

-ट्रंप ने अपने चुनावी भाषण में ईसाइयत को बढ़ावा देने की कही है बात

नई दिल्ली,(ईएमएस)। डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा अमेरिकी राष्ट्रपति चुने जाने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन पद दी है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों में सुधार हुआ था लेकिन इस बार संबंधों में एक नया पहलू सामने आ सकता है, जो दोनों देशों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है जिसमें धर्म का मुद्दा। ट्रंप ने अपने चुनावी भाषण में ईसाइयत को बढ़ावा देने की बात कही है, जो भारत में संवेदनशील मुद्दा बन सकता है। भारत के लोगों को लगता है कि ईसाई धर्म के समूह जबरन धर्मांतरण कराने में शामिल हैं, जो भारतीय समाज के लिए खतरे के रूप में देखा जा सकता है।

अमेरिकी सीनेट की विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष बनने वाले जिम रिश ने भी भारत में धार्मिक स्वतंत्रता और चर्चों की फंडिंग पर प्रतिबंधों को लेकर अपनी चिंता जताई है। ट्रंप प्रशासन के दौरान व्हाइट हाउस में कुछ धार्मिक समूहों को बढ़ावा मिल सकता है, जो भारत में चर्च और ईसाई समुदाय के मुद्दों पर एक सशक्त दृष्टिकोण रख सकते हैं। मणिपुर जैसे हाल के संघर्षों में धर्म से जुड़े मुद्दे भी सामने आए हैं, जो अमेरिका को भारत की धार्मिक नीतियों पर विचार करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

भारत की नीति साफ कहती है कि विदेशी वित्तपोषित एनजीओ और धर्मांतरण गतिविधियां भारतीय सभ्यता और संस्कृति के लिए खतरा है। सरकार का मानना है कि इस तरह की गतिविधियों पर नियंत्रण जरुरी है। इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच तनाव उत्पन्न हो सकता है, क्योंकि ट्रंप अपनी मजबूत विचारधारा और कूटनीतिक शैली के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में दोनों देशों के लिए चुनौती होगी कि वे अपने-अपने वैचारिक दृष्टिकोण और उद्देश्यों के साथ इस मुद्दे पर सहमति बना पाएं। ट्रंप की आक्रामक शैली और भारत की स्थिर नीति के बीच सामंजस्य बिठाना दोनों देशों के संबंधों की नई दिशा तय कर सकता है।

आएगा एनएसई का सबसे बड़ा आईपीओ, सेबी से मंजूरी का इंतजार

- हुंडई का रिकॉर्ड तोड़ने की तैयारी

मुंबई (ईएमएस)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) को एक उद्देश्य के साथ सार्वजनिक निर्गम के लिए सेबी से मंजूरी की उम्मीद है। यह कंपनी की सबसे बड़ी योजना है, जिसके अनुसार वह भारतीय बाजार में एक ऐतिहासिक आईपीओ ला सकती है। इस आईपीओ की सफलता के बाद एनएसई दक्षिण कोरियाई कंपनी हुंडई के आईपीओ के रिकॉर्ड को तोड़ सकती है।

कंपनी के एक अ?धिकारी ने इस कदम की पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने का मिशन उठाया है। एनएसई का मूल्यांकन लगभग 4.75 लाख करोड़ रुपए के पास है, जो भारतीय शेयर बाजार के सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज के रूप में जाना जाता है। आईपीओ के लिए उनकी वाणिज्यिक रणनीति और प्रमोटर की अनुपस्थिति के कारण उन्हें कोई चिंता नहीं है। यदि ऐसा हो तो एनएसई का आईपीओ 47,500 करोड़ रुपए का हो सकता है। कंपनी के शेयर की मांग और उसका लोकप्रियता मूल बाजार में भी बढ़ सकती है। इसके अलावा कंपनी ने हाल ही में बोनस जारी किया है और अब सेबी से मंजूरी की उम्मीद है। एनएसई इस रिकॉर्ड इंडियन आईपीओ के लिए सचेत रह रही है और सेबी की अनुमति का इंतजार कर रही है। उनके लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उनके उद्देश्यों के प्रति बढ़ावा देगा।

भारी दबाव के बाद जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा में खालिस्तानियों की मौजूदगी को स्वीकारा

ओटावा(ईएमएस)। भारत लंबे समय से कहता रहा है कि कनाडा में जस्टिन ट्रूडो की सरकार खालिस्तानियों को संरक्षित कर रही है। अब प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों की मौजूदगी की बात को स्वीकार किया है। ट्रूडो ने हालांकि कहा कि ये लोग कनाडा में सिख समुदाय का सम्पूर्ण प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

उनका यह बयान भारत के उस रुख को सही ठहराता है जिसमें भारत ने आरोप लगाया था कि कनाडा सरकार खालिस्तानी समर्थक तत्वों को पनाह दे रही है। जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थकों के बारे में भी कहा। उन्होंने कहा कि कनाडा में खालिस्तान के समर्थक हैं, लेकिन वे सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। इसी तरह कनाडा में मोदी सरकार के समर्थक भी हैं, लेकिन वे सभी हिन्दू कनाडाई लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। यह बयान उन्होंने ओटावा के पार्लियामेंट हिल में दिवाली समारोह के दौरान भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए दिया।

ट्रूडो के इस बयान से भारत और कनाडा के बीच बढ़ते कूटनीतिक तनाव के बीच स्थिति और जटिल हो गई है। तनाव की शुरुआत तब हुई थी जब जस्टिन ट्रूडो ने हर्डीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों का हाथ होने का आरोप लगाया था। यह घटना 2023 के जून में हुई थी। निज्जर को ब्रिटिश कोलंबिया में एक गुरुद्वारे के बाहर गोलियों से मारा गया था। इससे पहले, सितंबर 2023 में कनाडा और भारत के बीच रिश्ते और भी खराब हो गए थे। कनाडा ने भारतीय उच्चायुक

पीएम मोदी ने नवनिर्माण और सांस्कृतिक जागरण का एक नया अध्याय शुरू किया : मुख्यमंत्री

- वड़ताल में लक्ष्मीनारायण देव द्विशताब्दी महोत्सव में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश भर के आस्था के केंद्रों के नवनिर्माण और सांस्कृतिक जागरण का एक नया अध्याय शुरू किया है। उनके नेतृत्व में हमारे धर्म, आस्था और सांस्कृतिक चेतना के केंद्रों के अनुरूप विकास का एक नया युग शुरू हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि आज वड़ताल की धरती पर मंगल उत्सव मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत धर्म, संस्कार और संस्कृति के संरक्षण की विरासत वर्तमान समय के आधुनिक आयामों के साथ जोड़कर प्रस्तुत की गई है। यह प्रधानमंत्री के 'विरासत भी, विकास भी' के ध्येय को साकार करता है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल शनिवार को पवित्र तीर्थधाम वड़ताल में मनाए जा रहे लक्ष्मीनारायण देव द्विशताब्दी महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इस पावन अवसर पर मुख्यमंत्री के करकमलों द्वारा वड़ताल द्विशताब्दी महोत्सव पर पांच रुपए की डाक टिकट का विमोचन भी किया गया। सभी हरिभक्तों को नूतन वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि चरोतर की इस पावन भूमि पर 200 वर्ष पहले भगवान स्वामीनारायण ने लक्ष्मीनारायण देव मंदिर का निर्माण किया गया था। आज यह महोत्सव इतना भव्य है, तो जब भगवान स्वामीनारायण ने इस भूमि पर श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर की स्थापना की होगी, वह समय कितना दिव्य रहा होगा, इसकी हमें अनुभूति होती है। यह महोत्सव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए विकसित गुजरात के लिए संकल्पबद्ध होने की प्रेरणा देता है। नव वर्ष को नए संकल्पों का अवसर बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विक्रम संवत 2081 का नूतन वर्ष स्वामीनारायण संप्रदाय के सभी हरिभक्तों के लिए उमंग का महोत्सव लेकर आया है। उन्होंने सभी हरिभक्तों से विकसित भारत के लिए विकसित गुजरात बनाने का एक नया संकल्प इस पावन भूमि से लेने का आह्वान किया। उन्होंने स्वयं को सौभाग्यशाली बताया कि उन्हें इस भव्य महोत्सव में शामिल होने का अवसर मिला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी हरिभक्तों से अनुरोध किया कि वे भगवान स्वामीनारायण द्वारा रचित शिक्षा पत्री का अनुसरण करें। उन्होंने कहा कि अपने कार्यों को कर्तव्यनिष्ठा से परिपूर्ण करने का प्रयास करना चाहिए और धर्म सेवा का लाभ ही केंद्र में होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रहित प्रथम और समाज कल्याण की कामना के साथ सभी हरिभक्त विकसित भारत का संकल्प पूर्ण करेंगे। उन्होंने अनुरोध किया कि आज जब हम वैश्विक प्रतिस्पर्धा के युग में हैं, तब सभी लोग स्वच्छता को स्वभाव और संस्कार बनाकर विकास यात्रा में निरंतर योगदान दें।

संस्था के आचार्य राकेश प्रसाद जी महाराज ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि लक्ष्मीनारायण देव द्विशताब्दी महोत्सव लाखों हरिभक्तों की सेवा और समर्पण के भाव को अभिव्यक्त करता है। हरिभक्तों ने संप्रदाय की छोटी से छोटी सेवा कर अद्भुत भाव व्यक्त किया है। उन्होंने शुभाशीष देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की सरकार जनहित के कार्य कर रही है और आगे भी प्रजावत्सल के और अधिक कार्य करने की प्रेरणा मिले और सभी का मंगल हो। इस अवसर पर 1008 वल्लभ कुलभूषण द्वारकेशलाल जी महाराज ने भी आशीर्वचन दिया। सत्संग महासभा के प्रमुख नौतम स्वामी ने वड़ताल मंदिर द्वारा किए जाने वाले सामाजिक सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि वड़ताल हॉस्पिटल में लगभग 100 करोड़ रुपए के ऑपरेशन निःशुल्क किए गए हैं। उन्होंने यह आशीर्वचन दिया कि गुजरात की उन्नति हो और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल नारायण बनकर गुजरात की जनता की सेवा करें।

मैं तुम्हें देखता हूँ..!! वडोदरा की एक कंपनी में महिला कर्मचारी से उत्पीड़न की शिकायत

वड़ोदरा,9 नवंबर

वड़ोदरा छेड़छाड़ मामलाः वड़ोदरा के पास कारवां इलाके में स्थित पॉलीप्लास्ट कंपनी के कॉन्फ्रेंस रूम में एक साथी कर्मचारी ने मामूली बात पर भड़ककर महिला कर्मचारी के साथ दुर्व्यवहार किया और उसे गालियां दीं। आप देखेंगे कि यह यहां कैसे काम करता है। जिंदा मत छोड़ना. ज्यादती के मामले में एक और कार्यकर्ता फंसाया गया है, महिला ने दाभोई थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए धमकी दी है कि तुम्हें भी फंसा दूंगी. बारह दिन पहले की घटना में महिला ने कंपनी के हित को ध्यान में रखते हुए शिकायत दर्ज नहीं कराई।

उल्लेखनीय है कि भरत नागिन परमार (शेष करवन) डभोई के पास करवन-पोर रोड पर पॉलीप्लास्ट कंपनी में काम करता है। दिवाली के मौके पर कंपनी के कर्मचारी नगीन परमार और एक अन्य महिला कर्मचारी के बीच कॉन्फ्रेंस रूम में दिवाली के मौके पर कंपनी के गिफ्ट और मिठाइयों को लेकर बहस हो गई. नतीजा यह हुआ कि युवक ने महिला का हाथ पकड़ लिया और उसका हाथ माचकोडी जंग की ओर कर दिया. फिर उसने कहा कि तुम मुझे बाहर मिलो, मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि तुम यहां कैसे काम करते हो, मैं तुम्हें जिंदा नहीं छोड़ूंगा, इससे पहले कंपनी के एक अन्य कर्मचारी प्रवेश प्रजापति को ज्यादती के मामले में फंसाया गया था, लेकिन उन्होंने यह कहकर अश्लील बातें कीं कि मैं फंसाऊंगा। आप अत्याचार के एक मामले में फँस गये हालाँकि, दिवाली उत्सव के अवसर पर, कंपनी ने अपना नाम खराब न करने के इरादे से शिकायत दर्ज नहीं की। आख़िरकार महिला ने दाभोई पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने आगे की जांच की।

सुप्रसिद्ध कार्यकर्ता पी. वी मूरजानी सुसाइड केसः सुसाइड नोट सामने आने के बाद बेटी के घर पर लगा ताला

वडोदरा 9 नवंबर

उपभोक्ता कार्यकर्ता पी. वी मूरजानी की आत्महत्या के बाद, पुलिस भागदौड़ कर रही है। सुसाइड नोट में लिखा था कि आत्महत्या के पीछे उनकी कथित बेटी और बेटी की मां का हाथ है, लेकिन पता चला है कि मां-बेटी घर छोड़कर कहीं चली गई हैं.

उपभोक्ता कार्यकर्ता पुरूषोत्तम मूरजानी, जो वर्षों से वडोदरा में जाजर्ट नागरिक नामक संगठन चला रहे हैं, ने कल लामाना में अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली मारकर अपनी जान ले ली। उनका सुसाइड नोट रात में उनके मोबाइल से व्हाट्सएप पर उनके दोस्तों और रिश्तेदारों को भेजा गया था। जिसमें उनकी होने वाली बेटी कोमल और कोमल की मां संगीताबहन द्वारा उन्हें लगातार प्रताड़ित और ब्लैकमेल किया जाता था और बलात्कार की शिकायत दर्ज कराने की धमकी दी जाती थी।

सुसाइड नोट के बाद पुलिस की एक टीम मां-बेटी को ढूंढने वाघोडिया रोड स्थित उनके फ्लैट पर गई। लेकिन फ्लैट बंद था, कोमल के मोबाइल डिटेल्स की जांच करने पर आखिरकार कोमल की लोकेशन अहमदाबाद पाई गई। फिलहाल पुलिस मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सयाजी अस्पताल ले गई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, वाघोडिया रोड डी मार्ट के पास नारायण बंगला निवासी पुरूषोत्तम मूरजानी वर्षों से वडोदरा में एक उपभोक्ता संरक्षण संगठन चला रहे थे। कारेलीबाग संगम चार रोड के पास जागृत नागरिक नामक संस्था चलाने वाले पी. वी आज शाम मुरजानी घर पर थे। उसकी पत्नी मंदिर गयी थी. उसकी पत्नी मंदिर से घर लौट आई थी। काफी देर बाद भी वह ऊपरी मंजिल से नीचे नहीं आया और पत्नी को देखने ऊपर चला गया। ऊपर जाकर उनके पति पी. वी मूरजानी लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़ा था। वे चिल्लाये और लोग दौड़कर आये।

घटना की सूचना पैनिगेट पुलिस, पी.आई. को दी गई। एच। एम। व्यास मौके पर पहुंचे। पी। वी पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि मूरजानी ने अपनी ही रिवॉल्वर से गोली चलाकर अपनी जान दे दी. हालाँकि, पी. वी मूरजानी की मौत की असली वजह जानने के लिए एफएसएल की मदद ली गई. पुलिस को घटनास्थल से कोई आखिरी नोट नहीं मिला.

हालांकि, रात 9:52 बजे आखिरी नोट मैसेज उनके दोस्त विर्टिल को उनके मोबाइल के व्हाट्सएप से भेजा गया था. मैसेज में उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी होने वाली बेटी और बेटी की मां की ब्लैकमेलिंग से तंग आकर आत्महत्या कर ली. इस मैसेज में यह भी लिखा था कि मर्सिडीज लाभपंचम के दिन खरीदी गई थी. उस समय मनिथी ने अपनी बेटी कोमल को साथ लिया और तस्वीरें लीं. इसके बाद उसने अपनी पत्नी को कार में बैठाया. इसी बात पर बेटी कोमल ने काफी हंगामा किया और धमकी देते हुए कहा कि तुमने अपनी पत्नी को कार में क्यों बैठाया? मैं कार की सीटें तोड़ दूँगा या मर्सिडीज़ को तहस-नहस कर दूँगा। मूरजानी ने अपने सुसाइड नोट में ऐसे कई मामले लिखे हैं.

वडोदरा के चोकरी गांव में पड़ोसियों के बीच झड़पः आमने-सामने लाठी-डंडों से हमले में चार घायल

वड़ोदरा : पड़ोसियों से अच्छे संबंध होने के कारण मारा ने दूसरे पड़ोसी को पसंद न करने के विवाद में पड़ोसी महिला की हत्या कर दी. आज तुझे निपटा लेंगे की धमकी देकर एक महिला और उसके बेटे को डंडे से हमला कर घायल करने के मामले में पड़ोसी ने क्रॉस शिकायत दर्ज करायी है कि महिला के सिर पर अश्लील हरकत कर हमला किया गया है.

पादरा के चोकरी गांव के सुथार पालिया में रहने वाले भरत पाढियार की पत्नी चंपाबेन (44) ने वडू थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि पड़ोस में नवीन जालमसिंह चौहान (मूल निवासी कानोड़, डी.हालोल) अपने परिवार के साथ रहते हैं। जबकि दूसरी तरफ उनके मामा छत्रसिंह शंकरभाई पढियार रहते हैं। महिला के परिवार और छत्रसिंह पढियार के परिवार के बीच अच्छे संबंध हैं। वडु पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है कि नवीन चंद्र चौहान ने झगड़ा किया और अश्लील बातें करते हुए डंडे से हमला कर दंपत्ति और उनके बेटे को घायल कर दिया। वहीं जवाबी शिकायत में नवीन चौहान ने कहा कि पड़ोसी चंपाबेन और उनके परिवार का हमसे कोई संबंध नहीं है. लेकिन, पड़ोसी परिवार ने नवीन चौहान के साथ मारपीट की और डंडे से हमला कर दिया. तो नवीन चौहान ने जवाबी शिकायत दर्ज कराई कि उनके सिर में चोट लगी है.

6 महीने पहले हुई हत्या के मामले में मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी समेत 4 आरोपी गिरफ्तार

दाहोद (ईएमएस) गरबाडा तहसील में छह महीने पहले हुई एक अधेड़ की हत्या के मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मृतक की पत्नी के प्रेमी और उसके भांजे समेत तीन लोगों ने मिलकर अधेड़ की हत्या कर उसका शव कुएं में फैंक दिया था। लेकिन एफएसएल की रिपोर्ट में अधेड़ की मौत पानी में डूबने से नहीं होने का खुलासा होने के बाद पुलिस ने हत्या की आशंका के साथ माले की जांच शुरू कर दी। करीब छह महीने पहले दाहोद जिले की गरबाडा तहसील के बोरियाला गांव के कुएं से 48 वर्षीय हिमताभाई मंडोड का शव बरामद हुआ था। पुलिस ने शव को कब्जा लेकर उसे पोस्टमार्टम के बाद विसेरा एफएसएल भेज दिया। एफएसएल की रिपोर्ट में खुलासा हुआ अधेड़ की मौत डूबने से नहीं बल्कि उसकी हत्या की गई है। इस खुलासे के बाद पुलिस ने हत्या के एंगल से मामले की जांच शुरू कर दी। जांच में मृतक के परिजन अंतिम समत में उसके साथ होने का पता चलने पर रसूल नामक शख्स पर पुलिस को संदेह हुआ। जांच में पता चला कि रसूल का मृतक की पत्नी के साथ नाजायज संबंध थे। पुलिस ने रसूल को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो वह टूट गया और हत्या की बात कबूल कर ली। हांलाकि रसूल को बचाने और पुलिस को गुमराह करने के लिए मृतक की पत्नी पुलिस के पास पहुंच गई और उसके पति की हत्या की आशंका व्यक्त करते हुए मामले की जांच की मांग की। दूसरी ओर रसूल का भांजा और हत्या के मामले में शामिल तीसरा शख्स कोर्ट पहुंच गए और पुलिस पर आरोप लगाया कि वह रसूल के बेवजह परेशान कर रही है। हांलाकि जांच में खुलासा हुआ कि मृतक का पत्नी समुडी मंडोड के साथ आए दिन लड़ाई-झगड़ा होता था। जिससे समुडी ने प्रेमी रसूल को 50 हजार रुपए देने का वादा कर उससे पति की हत्या करने को कहा। रसूल ने अपने भांजे ईश्वर और अन्य शख्स नन्नु को हिमता मंडोड की हत्या के षडयंत्र में शामिल किया। इस साजिश के तहत ईश्वर और नन्नु हिमता मंडोड को बोरियाला ले गए। जहां उसकी हत्या कर दी और उसका शव निकट के कुएं में फैंक फरार हो गए थे। लेकिन 6 महीने के बाद आखिरकार पुलिस ने हत्या के मामले की गुत्थी सुलजा ली। रसूल के कबूलनामे में पूरी हकीकत सामने आ गई और पुलिस मृतक की पत्नी समेत चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गोदाम में लगी आग, 3 की मौत

नवसारी(ईएमएस)। गुजरात में नवसारी जिले के देवसर गांव में शनिवार सुबह एक गोदाम में रसायन रिसाव के कारण लगी आग में तीन श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। एक श्रमिक लापता है। हादसा सुबह करीब 9 बजे उस वक्त हुआ, जब श्रमिक ट्रक से रसायन भरे बैरल उतार रहे थे। इसी दौरान रसायन के रिसाव से आग भडक़ उठी और 6 श्रमिक चपेट में आ गए। घायलों को नवसारी के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। आसपास के तालुका से पहुंची फायर ब्रिगेड की पांच गाडियों ने दो घंटे में आग पर काबू पा लिया था।

मुख्यमंत्री 11 नवंबर से राज्य में खरीफ फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीद प्रक्रिया शुरू कराएंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) 11 नवंबर से राज्यभर 160 से ज्यादा खरीद केंद्रों पर एक साथ मूंगफली, सोयाबीन, उड़द और मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीद शुरू होगी। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल उत्तर गुजरात के साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर से खरीफ फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीद प्रक्रिया का प्रारंभ कराएंगे। कृषि निदेशक कार्यालय की विज्ञप्ति के मुताबिक गुजरात में खरीफ फसलों के प्रचुर उत्पादन को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने किसानों से समर्थन पर खरीफ फसलें खरीदने का निर्णय लिया है और उसके अग्रिम आयोजन किया है। राज्य में समर्थन मूल्य पर मूंगफली, मूंग, सोयाबीन और उड़द की खरीद के लिए दो केंद्रीय नोडल एजेंसियों नाफेड और एनसीसीएफ और दो राज्य नोडल एजेंसियों गुजकोमसोल और इंडियाग्रो कंसोर्टियम प्रोडयूसर कंपनी लिमिटेड, गांधीनगर को अलग-अलग जिले आवंटित किए हैं। इसके अलावा राज्य में मूंगफली के लिए 160, सोयाबीन के लिए 97, मूंग के लिए 73 और उड़द के लिए 105 खरीद केंद्र तय किए हैं। जिनमें से साबरकांठा जिले में विभिन्न फसलों और खेती के क्षेत्रफल के पंजीकरण के आधार पर मूंगफली के लिए 7, सोयाबीन के लिए 6, उड़द के लिए 8 और मूंग के लिए दो खरीद केन्द्र निर्धारित किए हैं। वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार ने मूंगफली के लिए 6783 रुपये, मूंग के लिए 8682 रुपये, उड़द के लिए 7400 रुपये और सोयाबीन के लिए 4892 रुपये प्रति क्विंटल का समर्थन मूल्य घोषित किया है। 09 नवम्बर तक मूंगफली के लिए 3,46,699, मूंग के लिए 745, उड़द के लिए 283 और सोयाबीन के लिए 23,196 किसानों ने पंजीकरण कराया है। साथ ही इस केंद्र पर खरीदारी 90 दिनों तक चलेगी। किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने समर्थन मूल्य पर विक्रय के लिए पंजीयन की तिथि 10 नवंबर तक बढ़ा दी है। जिन किसानों ने अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है वह कल तक पंजीकरण करवा सकते हैं।

पीएम कहते हैं गुजरात का विकास हाईवे पर दौड़ रहा है और गुजराती अमेरिका भाग रहे हैं : कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस) देश के प्रधानमंत्री ने तथाकथित गुजरात विकास को स्वयंभू नाम गुजरात मॉडल दिया और चुनाव जीतने के लिए पूरे देश में इसका राजनीतिक उपयोग किया, जिसमें कुछ राज्य गुजरात मॉडल के पीछे भी भागने लगे। लेकिन सच्चाई यह है कि कुछ गुजरात मॉडल का स्वाद चख चुके गुजराती अमेरिका की ओर भाग रहे हैं। गुजरात कांग्रेस प्रवक्ता मनहर पटेल ने यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (सीबीपी) के आंकड़ों के अनुसार, 1 अक्टूबर, 2023 से30सितंबर,2024 के बीच कुल 90,415 भारतीयों को अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करते हुए पकड़ा गया और उनमें से 50ज्ञ, यानी 45,000 गुजराती हैं। जो भाजपा सरकार के गुजरात मॉडल की सबसे बड़ी उपलब्धि हैं। जिस तरह से देश के अन्य राज्य गुजरात मॉडल को अपनाने के लिए तैयार हुए और गुजराती अमेरिका भागने लगे, इसे मोदी का गुजरात का 360 डिग्री विकास कहा जाता है। 2014 में गुजरात मॉडल का सपना देखने वाले राज्य आज गुजरात बन गए हैं और भाजपा आदर्श राज्य घोषित गुजरात में अनुपम खेर छाप वाले 500 रुपये के करोड़ों नकली नोटों से सोना खरीदने का साहस कर सकती है। गुजरात में राजमार्गों पर टोल बूथों के समानांतर नकली टोल बूथ बनाकर करोड़ों रुपये कमाने का साहस, यह मॉडल राज्य में सरकारी सिंचाई विभाग का फर्जी कार्यालय चलाने का साहस करता है, लोग राज्य में फर्जी स्कूल खोलने का साहस करते हैं, यह सब एक है मोदी प्रेरित गुजरात मॉडल का हिस्सा है। आपने सुना होगा कि विदेश में बसने वाले और बैंकों को निशाना बनाकर आत्मनिर्भर बनाने वाले मेहुल चोकसी और नीरव मोदी भी गुजराती हैं। मॉडल राज्य में ठग और धुर्त बहुत बहादुर हैं, उनमें से नकली जज ने फर्जी न्याय किया नकली न्यायपालिका बनाकर इस आदर्श राज्य को वर्षों तक चलाया गया। यह सब गुजरात मॉडल का हिस्सा है, इस प्रकार भाजपा की राज्य सरकार में ऐसे कई शानदार मामलों के जरिये सरकार और जनता को करोड़ों रुपये का चूना लगाने वालों ने गुजरात मॉडल को एक अलग पहचान दी है।

8 साल के लापता किशोर का पड़ौस के घर से शव बरामद हुआ, जांच में जुटी पुलिस

भरुच (ईएमएस) अंकलेश्वर में छठ पूजा के दौरान 8 साल का एक किशोर लापता हो गया था। लापता हुए इस किशोर का शव पड़ौस के घर में लोहे के बक्शे से बरामद होने से सनसनी फैल गई। पीड़ित परिवार की आरोप है कि पड़ौसी ने उनके बेटे को मार दिया। फिलहाल अंकलेश्वर पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक भरुच जिले के अंकलेश्वर के जिटाली इलाके में रहनेवाला 8 वर्षीय किशोर छठ पूजा के दिन अचानक लापता हो गया। परिवार ने बेटे के लापता होने की शिकायत अंकलेश्वर ग्रामीण पुलिस में की थी। छठ पूजा के दिन लापता हुए किशोर का शव पड़ौसी के घर से बरामद होने से सनसनी फैल गई। पड़ौसी के घर में आज सुबह लोहे के बक्शे से किशोर शव मिलने खबर लगते ही लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई और किशोर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज पड़ौसी से पूछताछ शुरू कर दी। पड़ौसी पर किशोर की हत्या करने का संदेह है। जानकारी के मुताबिक पुलिस जिस पड़ौसी से पूछताछ कर रही है वह सेना में कार्यरत हैं।

किराना के दुकानदार द्वारा किशोरी के साथ शारीरिक छेड़छाड़, पुलिस ने मामले की जांच शुरू की

सूरत (ईएमएस) शहर के लिंबायत क्षेत्र में किराने की दुकान चलानेवाले शख्स ने 10 साल की किशोरी के साथ शारीरिक छेड़छाड़ की। साथ ही उसे धमकी दी कि अगर उसने किसी को कुछ बताया तो वह उसे जान से मार देगा। घर पहुंची किशोरी ने परिजनों से दुकानदार की शिकायत की और उसके बाद मामला पुलिस थाने पहुंच गया। लिंबायत पुलिस ने दुकानदार के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

सूरत में लिंबायत क्षेत्र के मारुतिनगर निवासी 65 वर्षीय शब्बीर समसुद्दीन शेख समीर किराना नामक दुकान चलाता है। बीती शाम करीब साढ़े सात बजे 10 साल की नाबालिग लड़की किराना दुकान में चॉकलेट लेने गई थी। जहां एकांत का फायदा उठाकर शब्बीर शेख ने नाबालिग लड़की के साथ शारीरिक छेड़छाड़ की और किसी को कुछ बताने पर जान से मार देने की धमकी भी दी। हांलाकि दुकान से घर पहुंची किशोरी ने परिजनों से शब्बीर की हरकतों की शिकायत कर दी। परिजन तुरंत लिंबायत पुलिस थाने पहुंच गए और शब्बीर शेख के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर लिंबायत पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

गुजरात के ऐतिहासिक शहर वडनगर में 10 नवंबर को होगा ताना-रीरी महोत्सव का आगाज

अहमदाबाद (ईएएस) गुजरात के मेहसाणा जिले में स्थित ऐतिहासिक वडनगर की पहचान उसका प्राचीन इतिहास और समृद्ध कला-विरासत है। यह नगरी संगीत, कला, गायन, वादन और नृत्य के प्रचार-प्रसार के लिए सुविख्यात है। वडनगर में 550 वर्ष पूर्व नागर ब्राह्मणों द्वारा शुरू की गई संगीत की परंपरा आज भी जीवंत है। संगीत की यह परंपरा और विरासत आज ताना-रीरी महोत्सव के जरिए वैश्विक मान्यता प्राप्त कर चुकी है, जिसका श्रेय हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है। वर्ष 2003 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने अपने पैतृक गांव वडनगर में ताना-रीरी महोत्सव की शुरुआत की थी। गुजरात राज्य संगीत नाटक अकादमी, गांधीनगर और मेहसाणा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में संगीत सम्राज्ञी ताना-रीरी की याद में प्रतिवर्ष कार्तिक शुक्ल नवमी और दशमी के दिन संगीत का यह अनोखा उत्सव आयोजित किया जाता है। इस वर्ष यह महोत्सव 10 और 11 नवंबर को ताना-रीरी समाधि स्थल पर आयोजित होगा, जहां श्रोतागण पंडित नीरज एंड अमी परीख ग्रुप, कुमारी मैथिली ठाकुर, ओसमाण मीर, पार्थिव गोहिल और शशांक सुब्रमण्यम आदि कलाकारों के गायन और वादन का लुत्फ उठा सकेंगे।

गुजरात के संगीत इतिहास में गायिका बहनों ताना और रीरी का नाम बहुत ही आदरपूर्वक लिया जाता है। शास्त्रीय संगीत जगत में आज भी राग का आलाप करने से पहले 'नोम तोम ताना-रीरी' गाया जाता है। भक्त कवि नरसिंह मेहता की दोहित्री शर्मिष्ठा की सुपुत्रियां ताना और रीरी मल्हार राग के गायन में पारंगत थीं। संगीत सम्राट तानसेन ने जब दीपक राग गाया तो उनके शरीर में जलन पैदा हुई, जिसे इन दोनों नागर बहनों ने राग मल्हार का गायन कर शांत किया था। जब बादशाह अकबर को इस बात का पता चला, तो अकबर ने ताना और रीरी को दरबार में पेश करने का आदेश दिया। परन्तु इन दोनों बहनों ने इस मांग को स्वीकार करने के बजाय आत्मबलिदान देना पसंद किया। ऐसी वीरांगना कलाधारिणी बहनों को सुरांजलि देने के लिए वडनगर के ताना-रीरी समाधि स्थल, घासकोर दरवाजा में वर्ष 2003 से प्रतिवर्ष ताना-रीरी शास्त्रीय संगीत महोत्सव आयोजित किया जाता है। इस महोत्सव में सुप्रसिद्ध गायक और कलाकार अपने सुमधुर गीत-संगीत से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए इस महोत्सव को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाली गुजरात सरकार अंतरराष्ट्रीय फलक पर ले जाने का प्रयास कर रही है।

कला और कलाकारों की सराहना के लिए सदैव तत्पर रहने वाले राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2010 में 'ताना-रीरी संगीत सम्मान अवॉर्ड' की शुरुआत की थी। 2010 में पहली बार राष्ट्रीय स्तर का यह अवॉर्ड विख्यात गायिका बहनों लता और उषा मंगेशकर को दिया गया था। इस वर्ष तानारीरी अवॉर्ड समारोह में विख्यात शास्त्रीय गायिका सुश्री पद्मा सुरेश तलवलकर और डॉ. श्रीमती प्रदीप्ता गांगुली को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों द्वारा ताना-रीरी संगीत सम्मान अवॉर्ड से नवाजा जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के अलावा पर्यटन, सांस्कृतिक गतिविधि, वन एवं पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन मंत्री मुळुभाई बेरा एवं गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ताना-रीरी महोत्सव में उपस्थित रहेंगे।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए बांद्रा टर्मिनस-भुज, बांद्रा टर्मिनस-भुज-वलसाड, बांद्रा टर्मिनस-भुज तथा बांद्रा टर्मिनस-हिसार के बीच विशेष किराये पर चार शीतकालीन स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है: 1. ट्रेन संख्या 09037/09038 बांद्रा टर्मिनस– भुज सुपरफास्ट स्पेशल ड06 फेरे.

ट्रेन संख्या 09037 बांद्रा टर्मिनस-भुज सुपरफास्ट स्पेशल मंगलवार, गुरुवार और रविवार को बांद्रा टर्मिनस से 23:45 बजे रवाना होगी और अगले दिन 13:05 बजे भुज पहुंचेगी। यह ट्रेन 12, 14 और 17 नवंबर, 2024 को चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09038 भुज-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल बुधवार, शनिवार और सोमवार को भुज से 19:00 बजे रवाना होगी और अगले दिन 09.45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 13, 16 और 18 नवंबर, 2024 को चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, हलवद, सामाख्याली और गांधीधाम स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09029/09030 बांद्रा टर्मिनस-भुज–वलसाड सुपरफास्ट स्पेशल ड 02 फेरे.बुधवार, 13 नवंबर, 2024 को बांद्रा टर्मिनस से 23:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14:30 बजे भुज पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09030 भुज-वलसाड सुपरफास्ट स्पेशल गुरुवार, 14 नवंबर, 2024 को भुज से 19:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06.45 बजे वलसाड पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, हलवद, सामाख्याली और गांधीधाम स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09029 का बोरीवली और वापी स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09471/09472 बांद्रा टर्मिनस– भुज सुपरफास्ट स्पेशल ड02 फेरे. सोमवार, 18 नवंबर, 2024 को बांद्रा टर्मिनस से 12:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 03:30 बजे भुज पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09472 भुज-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल रविवार, 17 नवंबर, 2024 को भुज से 19:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09.45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, दुर्गापुरा, जयपुर, रींगस, सीकर, नवलगढ़, झुंझुनू, चिरावा, लोहारू और सादुलपुर स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे हैं।

ट्रेन संख्या 09037, 09038, 09029, 09030, 09471, 09472 एवं 04726 की बुकिंग 10 नवम्बर, 2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपयाँ .हर्ल्लिब्र्ग्हैंग्दुदन्ग्ह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

वेरावल-गांधीग्राम और जूनागढ़-राजकोट के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

अहमदाबाद (ईएमएस) जूनागढ़ में लगने वाले परिक्रमा मेले के दरमियान होने वाली यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखकर पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए वेरावल-गांधीग्राम और जूनागढ़-राजकोट स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। इन ट्रेनों का विस्तृत विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन नंबर 09556 वेरावल-गांधीग्राम स्पेशल ट्रेन वेरावल से रात्रि 21.20 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन सुबह 8.00 बजे गांधीग्राम पहुँचेगी। यह ट्रेन मार्ग में मालीया हाटीना, केशोद, जूनागढ़,जेतलसर,विरपुर,गोंडल, भक्तिनगर,राजकोट,वांकानेर,थान, सुरेन्द्रनगरजंक्शन,बोटाद,धंधुका, धोलका,बावला और सरखेज स्टेशनों पर रूकेगी। इस ट्रेन में स्लीपर और जनरल कोच होंगे। इस ट्रेन के जनरल कोच और एसएलआरडी कोच अनारक्षित होंगे, जिनके लिए टिकट यूटीएस काउंटर से मिलेंगे तथा इन कोचों में सुपरफास्ट मेल/एक्सप्रेस का किराया लगेगा।

2. ट्रेन नंबर